दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-177 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 21 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में छात्रों पर पुलिस बर्बरता की जांच के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई कथित पुलिस ज्यादती की जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने समिति के गठन का आदेश दिया। अदालत ने समिति को पुलिस कार्रवाई के साथ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और महिला प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न समेत कई पहलुओं की जांच करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी करेंगे। समिति में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायमूर्ति शालिंदर कौर, केंद्रीय जांच ब्यूरो के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला तथा मेघालय के पूर्व पुलिस महानिदेशक एल.आर. बिश्नोई शामिल हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि समिति केवल पुलिस की कथित ज्यादतियों की जांच तक सीमित नहीं रहेगी। उसे प्रदर्शनकारियों की ओर से की गई हिंसा और कानून-व्यवस्था से जुड़े घटनाक्रम की भी जांच करनी होगी।समिति महिला प्रदर्शनकारियों के यौन उत्पीड़न,

इंटरनेट के माध्यम से उत्पीड़न तथा सामाजिक माध्यमों पर अन्य कमजोर वर्गों के लोगों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी।जांच समिति को पुलिस कार्रवाई के कारण प्रदर्शनकारियों को लगी गंभीर चोटों की भी जांच करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने प्रदर्शन से संबंधित सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन से बनाए गए दृश्य, शरीर पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग और पुलिस संचार से जुड़े अभिलेखों को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है।

साथ ही अदालत ने प्रदर्शनकारियों की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक नहीं करने का निर्देश दिया है, ताकि उनकी निजता और सुरक्षा प्रभावित न हो।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में लिए गए नाबालिगों को रिहा किया जाए। हालांकि, जघन्य अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे नाबालिगों को इस निर्देश से बाहर रखा गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच समिति के निष्कर्ष आने से पुलिस के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर कोई रोक नहीं होगी। संबंधित अधिकारी और पुलिसकर्मी यदि प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ स्वतंत्र रूप से विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। पीठ ने स्पष्ट किया कि विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े व्यापक संवैधानिक और कानूनी सवालों पर अदालत अलग से निर्णय करेगी। जांच समिति का गठन उन प्रश्नों के अंतिम निर्णय के रूप में नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश जंतर-मंतर, बिहार और देश के अन्य हिस्सों में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती से संबंधित याचिकाओं के समूह पर सुनवाई के दौरान दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में लेबोरेटरी का अवलोकन किया।

बच्चे की खरीद फरोख्त में तीन गिरफ्तार

पश्चिम बर्द्धमान(आरएनएस)। एक लाख रुपये में दो माह के बच्चे को खरीदने के मामले सामने आने से आसनसोल में सनसनी फैल गई है। ई-मेल के जरिए मिली शिकायत के बाद आसनसोल उत्तर थाने की पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान उत्तर धादका इलाके में एक दंपती के कब्जे से दो माह 13 दिन के बच्चे को बरामद किया गया। मामले में दंपती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार दंपती की पहचान विनोद कुमार गुप्ता (47) और बबीता गुप्ता (37) के रूप में हुई है। दोनों आसनसोल के उत्तर धाधका लाल बंगला इलाके के निवासी हैं।

बताया जा रहा है कि विनोद कुमार राज्य सरकार के राशन डीलर हैं। इनके अलावा धादका रोड निवासी अशोक भवालका को भी बिचौलिए के रूप में गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में दंपती ने बच्चे को अपना जैविक पुत्र बताया था। हालांकि, पुलिस की जांच आगे बढ़ने पर बच्चे को बीरभूम के सिउड़ी स्थित एक निजी नर्सिंग होम से एक लाख रुपये के बदले हासिल किए जाने की बात सामने आई। पुलिस को आशंका है कि बच्चे को दंपती तक पहुंचाने में एक से अधिक बिचौलियों की भूमिका हो सकती है।

कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का दिल्ली में निधन, तिहाड़ जेल मे काट रहे थे उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को निधन हो गया है. तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार को जेल में तबीयत खराब होने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में लाया गया था. जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. वह 80 वर्ष के थे. सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से उम्रकैद की सजा काट रहे थे.दिल्ली कैंट की पालम कॉलोनी में 5 सिखों की हत्या के बाद गुरुद्वारा जला दिया गया था. इस केस में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया. दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी. सितंबर, 2023 को

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में 3 सिखों की हत्या मामले में बरी कर दिया था. 1 नवंबर, 1984 को सरस्वती विहार में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी. 12 फरवरी, 2025 को सज्जन कुमार को इस मामले में दोषी ठहराया गया. 25 फरवरी 2025 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी.1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 22 जनवरी 2026 को एक बड़ा फैसला सुनाया था. अदालत ने पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हुई हिंसा और दंगों के एक मामले में बरी कर दिया था. यह फैसला उस समय आया था जब सज्जन कुमार पहले से ही दंगों के अन्य मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे थे.जनकपुरी और विकासपुरी मामले की पृष्ठभूमि में 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के दंगों से जुड़ा है।

मां ने गेम खेलने के लिए नहीं दिया मोबाइल फोन, 14 साल के बच्चे ने नाराज होकर की आत्महत्या

धर्मशाला,(आरएनएस)। स्मार्ट फोन और इंटरनेट के दौर में अक्सर ये देखा गया है कि लोग मोबाइल फोन के एडिक्ट हो जाते हैं. खासकर बच्चे

इसके सबसे ज्यादा शिकार होते हैं. जो बच्चे छोटी उम्र से ही मोबाइल का ज्यादा यूज करते हैं, अक्सर मोबाइल न मिलने पर उनके व्यवहार में चेंज देखा जाता है. हिमाचल प्रदेश में भी एक बच्चे ने फोन न मिलने पर खौफनाक कदम उठाया है. धर्मशाला के खनियारा क्षेत्र में मोबाइल पर गेम खेलने को लेकर एक दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां मोबाइल फोन न मिलने से नाराज एक 14 साल के बच्चे ने आत्महत्या कर ली है.मृतक बच्चे के पिता ने बताया कि बेटा लगातार अपनी मां से मोबाइल फोन मांग रहा था, ताकि वह गेम खेल सके, लेकिन जब उसकी मां ने उसे मोबाइल नहीं दिया तो वो नाराज होकर अपने कमरे में चला गया. उनका कहना है कि परिवार ने ये कल्पना भी नहीं कि थी अपनी नाराजगी में उनका बेटा इतना बड़ा कदम उठा लेगा।

तरुण तेजपाल ने यौन उत्पीड़न मामले में अपनी सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पत्रकार तरुण तेजपाल ने गुरुवार को 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में अपनी सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया. इस अपील में बॉम्बे हाई कोर्ट के 6 अगस्त के आदेश को चुनौती दी गई है।

इससे पहले, गोवा सरकार ने तहलका के पूर्व एडिटर के लिए सजा बढ़ाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी थी, और कहा था कि इस मामले में उम्रकैद की सजा मिलनी चाहिए. 6 अगस्त को, हाई कोर्ट की गोवा पीठ के जस्टिस नीला गोखले और अमित जमसांडेकर ने शुरू में कहा था कि तेजपाल को दो हफ्ते के अंदर सरेंडर करना होगा, लेकिन उनके वकीलों के अनुरोधके बाद, कोर्ट ने समय बढ़ाकर चार हफ्ते कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के खुलासे के मामले में सुनवाई टली, 29 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री का खुलासा करने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दिया है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने 29 सितंबर को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया. आज सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सुनवाई दोपहर बाद करने की मांग की गई. तब कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि क्या आप दोपहर बाद उपलब्ध हैं. तब मेहता ने कहा कि इस पर कल सुनवाई कर ली जाए. उसके बाद कोर्ट ने 29 सितंबर की तिथि नियत करने का आदेश दिया। इस पर मेहता ने कहा कि 29 सितंबर के पहले की तिथि नियत की जाए. तब कोर्ट ने कहा कि हमने अपना कैलेंडर चेक कर लिया है.इसके पहले 10 फरवरी को दिल्ली यूनिवर्सिटी ने कहा था कि प्रधानमंत्री की डिग्री का खुलासा करने वाली याचिका केवल सनसनी पैदा करने के लिए दायर की गई है।

वंदे मातरम के छंदों को लेकर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने, 1937 के फैसले का दिया हवाला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के छंदों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय और सार्वजनिक कार्यक्रमों में गीत के पहले दो छंद ही गाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के इस रुख को राष्ट्रीय गीत का अपमान बताया है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि उसका निर्णय नया नहीं है, बल्कि वर्ष 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा लिए गए फैसले पर आधारित है।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में 'वंदे मातरम' की रचना की थी। बाद में उन्होंने इसे अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया। मूल गीत संस्कृत और बांग्ला के मिश्रण में लिखा गया है और इसमें कुल छह छंद हैं।गीत के पहले दो छंदों में मातृभूमि की सुंदरता, हरियाली, नदियों और फसलों का वर्णन किया गया है। वहीं अंतिम चार छंदों में देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख मिलता है।

पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधिकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़े किसान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नई तकनीक और नवाचार ने खेती में समृद्धि के नए रास्ते खोले हैं
किसानों को दिन में ही पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के लिए नई तकनीक और नवाचार ने खेती में समृद्धि के नए रास्ते खोल हैं। आने वाले समय में कृषि उद्योग, ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधीकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन और मछली पालन को अपनाकर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अशोक नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अशोकनगर के अन्नदाता अपनी मेहनत से प्रदेश भर के किसानों के लिए मिसाल बन रहे हैं। अशोकनगर की चंदेरी साड़ी ने मध्यप्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है। अशोकनगर के शरबती गेहूं का स्वाद बेजोड़ है। अशोकनगर के शरबती गेहूं की देशभर में मांग है। प्रसन्नता का विषय है कि जिले के किसानों में धनिया और गुलाब जैसी उद्यानिकी फसलों के लिए रुचि बढ़ी है। कम बारिश की चुनौती के बीच डीआरएस तकनीक से धान की रोपाई का रकबा बढ़ाकर अशोक नगर के किसानों ने आपदा को अवसर में बदला है। फसल विविधीकरण से जिले में चना और मसूर का भी रकबा बढ़ा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान, महिला, गरीब और युवा चारों वर्ग राज्य सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। किसान के समृद्ध और खुशहाल होने से ही संपूर्ण समाज अन्न और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। सीमा पर जवान और खेत में किसान की भूमिका समान है, दोनों ही देश के लिए समर्पित हैं।

राहुल ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि, लिखा-आपकी सीख मेरी शक्ति है और आपकी यादें मेरी हिम्मत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीयों के बीच सद्भावना, हर दिल में करुणा और हर नागरिक को न्याय और लोकतंत्र में समान अधिकार। पापा, आपकी ये सीख मेरी शक्ति है और आपकी यादें मेरी हिम्मत। आपके सपनों का भारत बनाने का संकल्प हमेशा मेरा मार्गदर्शन करता रहेगा। वहीं, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, भारत रत्न राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर गहरे स्नेह और सम्मान के साथ याद कर रहे हैं। वे एक दूरदर्शी और गतिशील नेता थे, जिन्होंने लाखों लोगों को प्रेरित किया और हमारे देश को 21वीं सदी के लिए तैयार करने के लिए उसमें बदलाव लाए। केसी वेणुगोपाल ने लिखा, आज, लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता उनके दिखाए रास्ते पर चल रहे हैं। उनका मकसद देश के लिए राजीव जी के विजन को पूरा करना और उसी ऊर्जा व उत्साह के साथ पार्टी को आगे बढ़ाना है, जो वे लेकर आए थे। उनका जीवन-सफर बहुत जल्द समाप्त हो गया और भारत की एकता के लिए दी गई उनकी सर्वोच्च कुर्बानी को कभी नहीं भुलाया जा सकता। राजीव जी, हम आपको बहुत याद करते हैं! इस अवसर पर वीर भूमि पर राजीव गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज जब हम राजीव गांधी की 82वीं जयंती मना रहे हैं और देशभर में युवाओं के बीच बढ़ती बेचैनी और हलचल को देख रहे हैं, तब यह याद करना महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री राजीव गांधी ही थे जिन्होंने संविधान में संशोधन कर मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की और 18 साल के युवाओं को वोट देने का अधिकार दिया।

जयराम रमेश ने लिखा,जिन्होंने स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस घोषित किया। 1988 की नई शिक्षा नीति लेकर आए, जिसने कई अन्य नए प्रयासों के साथ देशभर में नवोदय विद्यालयों का नेटवर्क स्थापित किया।

मध्यप्रदेश में तेजी से हो रहा है नई औद्योगिक इकाइयों से युवाओं को रोजगार देने का कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर में 850 करोड़ रुपये निवेश की 2 अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों का किया शुभारंभ

भोपाल(आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास और आत्मनिर्भरता के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। वर्ष 2014 के पहले के भारत और उसके बाद के भारत में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। आज भारत का नवीन स्वरूप पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है। मध्यप्रदेश भी इसी विकास यात्रा में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित 2 आधुनिक औद्योगिक इकाइयों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से प्रारंभ हुई नई औद्योगिक इकाइयां विकास और समृद्धि की नई धारा को आगे बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के सबसे बड़ी औद्योगिक नगरी पीथमपुर के स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 850 करोड़ रुपये निवेश की प्रताप ग्रुप की 2 अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों कॉर्सिस इंडस्ट्रीज एवं वोल्टर्स टेक्नोलॉजी का शुभारंभ किया। इन इकाइयों से सैकड़ों युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी विशेष रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती नीना वर्मा, निलेश भारती, प्रताप ग्रुप के चेयरमैन देवेंद्र सिंह शेखावत, श्रीमती मानकुंवर, डॉ. जितेंद्र सिंह शेखावत, मैनेजिंग डायरेक्टर प्रताप ग्रुप शक्ति सिंह, श्री मोहन शेखावत, प्रपन्ना आदि भी मौजूद थे।

युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से शुरू हुई दोनों इकाइयां उच्च तकनीक आधारित विनिर्माण एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को और मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सबसे बड़ी आवश्यकता है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और मध्यप्रदेश भी युवा शक्ति से समृद्ध है। युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऑप्टिकल फाइबर और लिथियम बैटरी जैसी आधुनिक तकनीक से जुड़ी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण कदम है। जर्मन तकनीक के सहयोग से स्थापित हो रही ये इकाइयां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तकनीक और उत्पादन क्षमता का केंद्र बनेंगी। इन उद्योगों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण भी मिलेगा और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में युवाओं के प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इन औद्योगिक गतिविधियों प्रत्यक्ष औरपरोक्ष रूप से लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की संभावना है, इसकी शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि निवेश के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ें, जिससे प्रदेश की आर्थिक समृद्धि को नई गति मिल सके।

महंगाई, किसान और शिक्षा के मुद्दों पर जीतू पटवारी का सरकार पर हमला, कांग्रेस चलाएगी 'दस्तक' अभियान

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को विभिन्न जनहित और समसामयिक मुद्दों को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने महंगाई, किसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिलने, शिक्षा व्यवस्था, शराबबंदी, कथित भ्रष्टाचार और भाजपा के अंदरूनी मतभेदों को लेकर सवाल उठाए। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक भी मौजूद रहे।

राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने, 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार देने तथा सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के क्षेत्र में लिए गए निर्णयों का उल्लेख किया।

महंगाई को लेकर सरकार पर सवाल

जीतू पटवारी ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का असर सीधे आम आदमी की रसोई पर पड़ रहा है। उन्होंने खाद्य तेलों, चीनी, दूध और दालों के दाम बढ़ने का दावा करते हुए सरकार से महंगाई पर नियंत्रण के उपायों को लेकर जवाब मांगा। उन्होंने सोयाबीन, मूंगफली और सरसों तेल सहित विभिन्न खाद्य तेलों की कीमतों में वृद्धि का उल्लेख किया। उनका कहना था कि एक ओर उपभोक्ता महंगी वस्तुएं खरीदने को मजबूर है, वहीं दूसरी ओर किसानों को उनकी उपज का अपेक्षित मूल्य नहीं मिल रहा। उन्होंने तुअर दाल के दाम बढ़ने का भी उल्लेख करते हुए

कृषि उपज के मूल्य निर्धारण और बाजार व्यवस्था पर सवाल उठाए। सांची दूध के दाम बढ़ने का मुद्दा उठाते हुए पटवारी ने कहा कि महंगाई का असर आम परिवारों के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

पीसीसी चीफ पटवारी ने भाजपा के भीतर कथित मतभेदों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। दतिया में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों से जुड़े सरकारी आवास खाली कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यदि कार्रवाई की जा रही है तो सरकार को इसके मानदंड स्पष्ट करने चाहिए। उन्होंने भाजपा की स्थिति पर तंज कसते हुए कहा, यह ऐसी ट्रेन है, जिसमें डिब्बे कहते हैं कि इंजन हटा दो और इंजन कहता है कि डिब्बे बदल दूंगा। पटवारी ने दावा किया कि सत्ता के भीतर कथित खींचतान का असर सरकार के कामकाज पर पड़ रहा है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की उड़ान से सतना की प्रिया बनीं उत्तरप्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर

नि:शुल्क 'सशक्त वाहिनी अभियान' की कोचिंग ने दिया सपनों को पंख

ओवरऑल मेरिट में 379वीं और गर्ल्स कैटेगरी में 28वीं रैंक हासिल की

भोपाल (आरएनएस) । कभी सीमित संसाधनों के बीच ऑनलाइन पढ़ाई के सहारे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाली सतना की बेटी प्रिया सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो आज जिले की हर बेटी के लिए प्रेरणा बन गया है। प्रिया सिंह अब उत्तरप्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं देंगी। उनकी इस सफलता की कहानी सिर्फ एक प्रतियोगी परीक्षा में चयन की कहानी नहीं, बल्कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प से जुड़ी उस उड़ान की कहानी है, जिसमें सरकारी प्रयास, परिवार का साथ और बेटी की मेहनत मिलकर सफलता का रास्ता बनाते हैं।

सतना शहर के मारुति नगर, शारदा कॉलोनी निवासी प्रिया सिंह ने उत्तरप्रदेश पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में 4,543 सफल अभ्यर्थियों के बीच ओवरऑल 379वीं रैंक और गर्ल्स कैटेगरी में 28वीं रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। प्रिया ने यह सफलता किसी महंगी निजी कोचिंग के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी मेहनत और महिला एवं बाल विकास विभाग, सतना द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत संचालित 'सशक्त वाहिनी अभियान' की नि:शुल्क कोचिंग के माध्यम से प्राप्त की।

प्रिया की कहानी उन बेटियों के लिए खास संदेश देती है, जो बड़े सपने तो देखती हैं, लेकिन संसाधनों की कमी को अपनी राह की बाधा मान लेती हैं। प्रिया ने भी अपनी तैयारी के दौरान ऑनलाइन अध्ययन के साथ विभाग की नि:शुल्क ऑफलाइन कक्षाओं का लाभ लिया।

नियमित अध्ययन, अनुशासन और लगातार अभ्यास ने उनके आत्मविश्वास को मजबूत किया और धीरे-धीरे उनका सपना मंजिल की ओर बढ़ने लगा।लिखित परीक्षा में सफलता के बाद प्रिया के सामने शारीरिक दक्षता परीक्षा की चुनौती थी। यहां भी उन्होंने अपनी मेहनत का लोहा मनवाया। 2,400 मीटर की दौड़ जहां 16 मिनट में पूरी करनी थी, वहीं प्रिया ने इसे महज 12 मिनट 35 सेकंड में पूरा किया। यह प्रदर्शन उनकी शारीरिक तैयारी के साथ उनके मजबूत इरादों की भी कहानी कहता है।प्रिया के पिता श्री राजभान सिंह प्रॉपर्टी डीलर हैं और माता श्रीमती संतोष सिंह गृहिणी हैं। परिवार के सीमित संसाधनों के बावजूद माता-पिता ने बेटी के सपनों को कभी सीमित नहीं होने दिया। प्रिया के तीनों भाई—नागेंद्र सिंह, शैलेंद्र सिंह और सुखेंद्र सिंह—भी उनकी तैयारी के दौरान लगातार उनके साथ खड़े रहे।

देर रात सीएम हाउस से हटाए गए नर्सिंग छात्र, सुबह फिर नीलम पार्क में डाला डेरा, कहा- आंदोलन खत्म नहीं

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नर्सिंग छात्रों का आंदोलन थमने के बजाय लगातार तेज होता जा रहा है। बुधवार रात मुख्यमंत्री निवास के बाहर धरने पर बैठे नर्सिंग छात्र-छात्राओं को पुलिस ने करीब 12 बजे वहां से हटा दिया।छात्रों का आरोप है कि उन्हें बसों में बैठाकर रेलवे स्टेशन छोड़ दिया गया। इसके बाद गुरुवार सुबह छात्र फिर नीलम पार्क पहुंचे और अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। छात्रों ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री निवास से

हटाए जाने के बावजूद आंदोलन खत्म नहीं होगा और आने वाले दिनों में इसे और व्यापक किया जाएगा।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से भोपाल पहुंचे नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने नीलम पार्क में प्रदर्शन करते हुए सरकार से उनकी मांगों का जल्द निराकरण करने की मांग की। छात्रों का कहना है कि कई वर्षों से परीक्षा, परिणाम, छात्रवृत्ति, डिग्री और रजिस्ट्रेशन जैसी समस्याओं के कारण उनका शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर समस्याओं के समाधान के लिए स्पष्ट निर्णय और लिखित आश्वासन देने की मांग की है। स्टेट कोर कमेटी के सदस्य मनोज रजक ने कहा कि पिछले तीन-चार दिनों से नर्सिंग छात्र भोपाल में आंदोलन कर रहे हैं। बुधवार को छात्र मुख्यमंत्री निवास के बाहर धरने पर बैठे थे। उनके मुताबिक, रात करीब 12 बजे पुलिस ने छात्रों को वहां से हटा दिया और बसों में बैठाकर रेलवे स्टेशन छोड़ दिया।

इंदौर की तर्ज पर भिक्षावृत्ति मुक्त बनाया जाएगा भोपाल : कलेक्टर श्री मिश्रा

रेस्क्यू के साथ पुनर्वास और काउंसलिंग पर रहेगा विशेष जोर नशे के हॉट-स्पॉट किये जायेंगे चिन्हित स्कूल-कॉलेजों में चलाएं व्यापक जागरूकता अभियान नशा मुक्त भारत एवं भिक्षावृत्ति मुक्त भोपाल अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को नशा मुक्त भारत अभियान और भिक्षावृत्ति मुक्त भोपाल अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने भोपाल जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए सामाजिक न्याय विभाग, नगर निगम एवं संस्था प्रवेश को समन्वय के साथ वृहद अभियान चलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के रेस्क्यू के साथ ही उनके समुचित पुनर्वास और काउंसलिंग की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नागरिकों को जागरूक करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। भोपाल को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए इंदौर के सफल पुनर्वास-केंद्रित मॉडल से सीख लेते हुए कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला ड्रग डिमांड रिडक्शन प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने नशे से प्रभावित हॉट-स्पॉट चिन्हित करने तथा स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। सामाजिक न्याय विभाग को अभियान के लिए सूक्ष्म स्तर पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि वे स्वयं तथा संबंधित अधिकारी विभिन्न संस्थाओं में आयोजित होने वाले नशा मुक्ति जन- जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल होंगे। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए कॉलेजों एवं शैक्षणिक संस्थानों में नशा मुक्त युवा, विकसित भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम और संकल्प दौड़ आयोजित की जा रही हैं। सूचना देने वाले की पहचान रहेगी गोपनीय कलेक्टर श्री मिश्रा ने नागरिकों से अपील की कि ड्रग्स अथवा नशीले पदार्थों की तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी बिना भय के साझा करें।

सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी

नागरिक टोल-फ्री नंबर 1933 अथवा पोर्टल ncbmanas.gov.in के माध्यम से सूचना दे सकते हैं। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमें संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार औचक निरीक्षण कर नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई कर रही हैं।

भोपाल नगर के सभी चौराहे हों लेफ्ट टर्न फ्री : संभागायुक्त श्री शर्मा

संभागायुक्त ने भोपाल की सड़कों के बेहतर रख-रखाव के दिये निर्देश सड़क निर्माण एजेंसियों की बैठक ली

भोपाल (ए.)। भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने भोपाल शहर को ब्लेक स्पॉट फ्री एवं चौराहों को लेफ्ट टर्न फ्री बनाने के निर्देश दिए हैं।

संभागायुक्त श्री शर्मा ने संभागायुक्त कार्यालय में गुरूवार को भोपाल शहर की सड़कों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों के सम्बन्ध में सड़क निर्माण एजेंसियों की बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, प्रबंधक एनएचएआई आकाश चौकसे, सहायक महाप्रबंधक एमपीआरडीसी भोपाल आर.एस.कीर, एसईसीपीए पीडब्ल्यूडी सीमा प्रभाकर, एसई पीडब्ल्यूडी सुभाष पाटिल, ईई पीडब्ल्यूडी प्रीति यादव, अधीक्षण यंत्री नगर निगम भोपाल आर.आर. जारोलिया, जीएम भोपाल मेट्रो एच.ओ. शर्मा, ईई पीडब्ल्यूडी ब्रिज ए.आर.मौरे एवं सभी संबधित उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में भोपाल शहर एवं आस-पास की सड़कों में ब्लैक स्पॉट दूर करने के लिए प्रभावी करवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में यातायात पुलिस, नगर निगम एवं सभी निर्माण एजेंसी बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें।

तकनीक आधारित शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता है : संचालक श्री सिंह

डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए 'ई-कक्षा मध्यप्रदेश' का हुआ शुभारंभ

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश के सरकारी विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को और अधिक प्रभावी, रोचक एवं सुलभ बनाने की दिशा में राज्य शिक्षा केन्द्र (RSK), स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। गुरुवार को राज्य शिक्षा केंद्र के सभागार में संचालक हरजिंदर सिंह ने 'ई-कक्षा मध्यप्रदेश' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही कार्यक्रम के परिचयात्मक पोस्टर का विमोचन भी किया। इस पहल के अंतर्गत कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला डिजिटल वीडियो शिक्षण कंटेंट उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संचालक श्री सिंह ने कहा कि, तकनीक आधारित शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता है। 'ई-कक्षा मध्यप्रदेश' कार्यक्रम कक्षा शिक्षण में डिजीटल शिक्षा के समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 'ई-कक्षा मध्यप्रदेश' जैसी पहल न केवल शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराएगी, बल्कि विद्यार्थियों को भी अपनी गति और सुविधा के अनुसार सीखने का अवसर प्रदान करेगी। यह पहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विद्यार्थियों और शिक्षकों को नि:शुल्क मिलेंगे गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षण संसाधन

राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक डॉ. अरूण सिंह ने बताया कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षण संसाधन नि:शुल्क उपलब्ध होंगे। यह वीडियो कंटेंट ई-कक्षा मध्यप्रदेश के YouTube चैनल और Mission Gyan App के माध्यम से कहीं भी और कभी भी देखा जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य प्रदेश के विद्यार्थियों तक उच्च गुणवत्ता वाली, रोचक एवं पाठ्यक्रम-आधारित डिजिटल शिक्षण सामग्री पहुंचाना है। 'ई कक्षा' कार्यक्रम के अंतर्गत तैयार किया गया शैक्षणिक वीडियो कंटेंट मध्यप्रदेश के पाठ्यक्रम के अनुरूप विकसित किया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा इसमें सरकारी शिक्षकों के सहयोग के साथ ही IPCA Foundation एवं Mission Gyan का भी तकनीकी सहयोग लिया गया है। विद्यार्थियों की रूचि अनुसार विशेष रूप से तैयार किए गए वीडियो कंटेंट को 4K गुणवत्ता में विकसित किया गया है। इनमें शिक्षक-आधारित शिक्षण पद्धति, आकर्षक स्लाइड्स, चित्र, ग्राफिक्स, हस्तलिखित व्याख्याएं तथा ब्लेंडेड लर्निंग पद्धति का प्रभावी उपयोग किया गया है, जिससे जटिल विषयों और अवधारणाओं को विद्यार्थियों के लिए सरल एवं रोचक बनाया जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) की भावना के अनुरूप तैयार किए गए हैं वीडियो

मिशन ज्ञान के निदेशक जितेंद्र सोनी ने बताया कि 'ई-कक्षा मध्यप्रदेश' के लिए तैयार किए गए वीडियो नवीनतम पाठ्यक्रम और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) की भावना के अनुरूप हैं। ये डिजिटल शिक्षण संसाधन मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षण सामग्री पहुंचाने में सहायक सिद्ध होंगे। 'ई-कक्षा मध्यप्रदेश' की शुरुआत से सरकारी विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को नई गति मिलेगी तथा विद्यार्थी कक्षा शिक्षण के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से भी विषयों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। यह पहल स्कूल शिक्षा विभाग के गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और तकनीक-सक्षम शिक्षा के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद में टी-हब के नवाचार मॉडल का मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने किया अध्ययन

जीसीसी को बढ़ावा देने के लिए उद्योग प्रतिनिधियों के साथ हुई चर्चा

भोपाल (आरएनएस) । मध्यप्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विभिन्न राज्यों में संचालित नवाचार एवं जीसीसी इकोसिस्टम का अध्ययन किया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद स्थित टी-हब का अध्ययन भ्रमण किया। इसके बाद जीसीसी, स्टाफिंग एवं टैलेंट क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों और उद्योग संगठनों के साथ मध्यप्रदेश जीसीसी कनेक्ट- लीडरशिप राउंडटेबल आयोजित की गई।

टी-हब के संचालन मॉडल का किया अध्ययन

प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद में टी-हब के संचालन मॉडल और स्टार्टअप्स को उपलब्ध कराए जा रहे सहयोग का अध्ययन किया। टी-हब राज्य सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के समन्वय से संचालित होता है तथा स्वयं अर्जित राजस्व के माध्यम से वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर है। चर्चा में स्टार्टअप्स के लिए संरचित कार्यक्रम, मेंटरशिप और निवेशकों से जुड़ने के अवसरों के साथ कॉर्पोरेट इनोवेशन मॉडल की जानकारी ली गई। इस मॉडल में स्थापित कंपनियां अपनी समस्याओं से जुड़े विषय स्टार्टअप्स के समक्ष रखती हैं और स्टार्टअप्स उनके समाधान विकसित करने पर कार्य करते हैं। टी-हब द्वारा डीप-टेक और सस्टेनेबिलिटी आधारित स्टार्टअप्स पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम

मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल जिले में कलश वंदन यात्रा का किया शुभारंभ

भोपाल (आरएनएस)। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर नरेला विधानसभा के अन्ना नगर स्थित संत रविदास मंदिर से भोपाल जिले के कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यात्रा के माध्यम से संत रविदास महाराज के पुण्य विचारों, सामाजिक समरसता और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। अनेक स्थानों पर यात्रा का श्रद्धालुओं ने स्वागत करते हुए पूजा अर्चना की और आरती उतारी। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय, जसवंत सिंह हाड़ा, रविंद्र यति, प्रदीप शेखावत, मुकेश राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के पुण्य विचार और उनका आदर्श जीवन आज भी पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया तथा समाज की एकता के लिए आजीवन संघर्ष किया।

श्री सारंग ने कहा कि संत रविदास महाराज ने सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाकर समाज को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता और एकता की नींव को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकार ने संत रविदास महाराज के विचारों और उनके योगदान का सम्मान करते हुए उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का निरंतर कार्य किया है। सरकार का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के उत्थान और सम्मान के साथ सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री चिंता हरण गणेश के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

स्थानीय रहवासियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का भव्य स्वागत किया

उज्जैन (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के तहत सती गेट से गोपाल मंदिर तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निर्माण की कार्य योजना की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिंता हरण गणेश भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कंठाल चौराहा और प्राचीन श्री सती माता मंदिर द्वार के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों की डिजाइन का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सती गेट से छोटा सराफा चौराहा तक पैदल भ्रमण कर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने विकास कार्य योजना की जानकारी दी। इस दौरान सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल

योगी संत उमेश नाथ महाराज, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2028 महापर्व के लिए कंठाल चौराहे से छत्री चौक तक कुल 410 मीटर लंबे मार्ग में चौड़ीकरण कार्य के तहत 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है।

निर्माण कार्य के दौरान कंठाल चौराहे पर 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में पेवर ब्लॉक लगाकर सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा। वहीं प्राचीन श्री सती माता द्वार का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा। कुल 410 मीटर लंबे मार्ग में 310 मीटर तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कंठाल चौराहे से छत्री चौक तक किए जा रहे चौड़ीकरण कार्य में स्थानीय निवासी और दुकानदारों द्वारा स्वेच्छा से अपने मकान और दुकान का निर्माण तोड़कर चौड़ीकरण कार्य में सहयोग किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल एवं बैंक ऑफ इंडिया के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

रेलवे कर्मचारियों, अधिकारियों एवं पेंशनर्स को मिलेंगी उन्नत बैंकिंग सुविधाएं

जबलपुर(ए.)। पश्चिम मध्य रेल, मुख्यालय, जबलपुर एवं बैंक ऑफ इंडिया के मध्य गुरुवार, 20 अगस्त 2026 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (Mo) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर पश्चिम मध्य रेल के सभागार में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस.डी. पाटीदार की गरिमामयी उपस्थिति में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मानव संसाधन विकास) सुश्री पूर्णिमा जैन एवं बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य पश्चिम मध्य रेल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को रेलवे सैलरी पैकेज के अंतर्गत बेहतर एवं उन्नत बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। समझौता ज्ञापन के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया द्वारा रेलवे में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के लिए रेलवे सैलरी पैकेज के तहत उपलब्ध विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं एवं लाभों की जानकारी प्रदान की गई। यह समझौता कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने तथा उनके वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।कार्यक्रम में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (राजपत्रित) राहुल श्रीवास्तव, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (औद्योगिक संबंध) संजय कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी किशोर कुमार बोरासी सहित कार्मिक विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पश्चिम मध्य रेल द्वारा अपने कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के कल्याण तथा उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मूसलाधार बारिश से सतना-मैहर बेहाल, मंदाकिनी खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर; कई मार्ग बंद

सतना, (ए.)। मध्य प्रदेश के सतना और मैहर जिले में पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं, जबकि कई पुल, रपटे और सड़कें पानी में डूब गई हैं। सतना शहर के अलावा चित्रकूट, नागौद, मझगवां, बिरसिंहपुर और रामपुर बघेलान क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। कई स्थानों पर आवागमन रोकना पड़ा है।चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब डेढ़ से दो मीटर ऊपर पहुंच गया है। प्रसिद्ध रामघाट का पूरा प्लेटफॉर्म पानी में डूब गया है। पुरानी लंका तिराहे तक पानी पहुंचने से सड़क पर नाव चलाने की स्थिति बन गई है। घाट क्षेत्र की 100 से अधिक दुकानों में चार से पांच फीट तक पानी भर गया है। अचानक आई बाढ़ के कारण दुकानदारों को अपना सामान बचाने की जद्दोजहद करनी पड़ रही है और बड़े आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है।सतना जिले में भारी बारिश के दौरान करीब 150 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बिरसिंहपुर के वार्ड क्रमांक दो और तीन में कई घरों में पानी घुस गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जलभराव की सूचना देने के बावजूद नगर परिषद के अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। कोटर में भी स्थिति गंभीर रही। यहां बस स्टैंड की दुकानें, अस्पताल, नगर परिषद कार्यालय और सड़कें तक पानी में डूब गईं। मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन ने रामघाट की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी है। पुलिस बल के साथ एसडीआरएफ की टीमों को भी तैनात किया गया है। आरोग्य धाम मार्ग पर करीब पांच फीट और भरतघाट-रामघाट रपटा पर लगभग छह फीट पानी बह रहा है।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज में सोनोग्राफी सेंटर का छज्जा गिरा, बड़ा हादसा टला

जबलपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गुरुवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब सोनोग्राफी सेंटर की इमारत का एक छज्जा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। गनीमत रही कि जिस वक्त छज्जा गिरा, वहां कोई मौजूद नहीं था। इसके चलते बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों के बीच कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया।जानकारी के मुताबिक, जिस भवन में सोनोग्राफी विंग संचालित हो रही है, उसकी हालत लंबे समय से खराब बताई जा रही है। संबंधित विभाग की ओर से पूर्व में कई बार पत्राचार कर भवन की खराब स्थिति से अस्पताल प्रबंधन को अवगत कराया जा चुका था।बताया गया है कि पत्रों में भवन की छत और बाहरी दीवारों के कमजोर होने का उल्लेख करते हुए समय रहते सेंटर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की जरूरत बताई गई थी। इसके बावजूद सोनोग्राफी सेवाएं इसी भवन में संचालित होती रहीं।सोनोग्राफी सेंटर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज जांच कराने पहुंचते हैं। मरीज और उनके परिजन कई बार भवन के आसपास कतार में खड़े रहते हैं। ऐसे में जर्जर हिस्से के गिरने की घटना ने अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।छज्जा गिरने की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। अब जर्जर भवन की स्थिति को लेकर आगे की कार्रवाई पर नजर है।घटना के बाद अस्पताल परिसर में मौजूद अन्य जर्जर संरचनाओं की भी जांच की जरूरत महसूस की जा रही है। जानकारों के

मुताबिक, किसी बड़े हादसे से बचने के लिए भवन की तत्काल तकनीकी जांच कराकर असुरक्षित हिस्सों को चिन्हित किया जाना चाहिए। साथ ही जरूरत पड़ने पर सोनोग्राफी सेंटर को सुरक्षित वैकल्पिक भवन में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, जर्जर भवन का हिस्सा गिरने की घटना ने अस्पताल में मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

सी एम एल आर वर्कशॉप, झांसी की नई पहल- हस्त-6 स्टेशनों पर मॉड्यूलर बायो-टॉयलेट लगाए गए

'रीयूज़-रिफर्बिश-रीबिल्ड' मॉडल का प्रभाव

जबलपुर (ए.)। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को साफ़-सुथरी और बेहतर सुविधाएँ देने की कोशिशों के तहत, कोच मिड-लाइफ़ रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप, झांसी ने एक नई इन-हाउस पहल शुरू की है। वर्कशॉप के तकीनीकी स्टाफ़ ने ललितपुर जिले के माताटीला, जीरोन, जखोरा स्टेशनों और दतिया जिले के बसई स्टेशन पर मॉड्यूलर बायो-टॉयलेट बनाए और लगाए हैं; ये सभी एन एस जी -6 कैटेगरी के स्टेशन हैं। इस पहल की मुख्य बात यह है कि इसमें कोच की पीरियोडिक ओवरहॉलिंग के दौरान निकले काम के और दोबारा इस्तेमाल होने लायक पार्ट्स का प्रभावी तरीके से प्रयोग किया गया है। इन पार्ट्स में फाइबर-रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक टॉयलेट मॉड्यूल, बायो-टैंक, पानी की टंकियाँ और कोच के दूसरे दोबारा इस्तेमाल होने लायक सामान शामिल हैं।इन पार्ट्स को कबाड़ समझने के बजाय, दोबारा इस्तेमाल करने से पहले उनकी जाँच की गई, उन्हें साफ़ किया गया, मरम्मत की गई और जहाँ ज़रूरत थी सुधारा गया। इस तरह, यह पहल मौजूदा रेलवे संसाधनों के सबसे अच्छे इस्तेमाल की दिशा में एक असरदार कदम है और 'वेस्ट टू वेल्थ' (कबाड़ से कमाई/उपयोगी चीज़ बनाना) के कॉन्सेप्ट को बढ़ावा देती है। मॉड्यूलर बायो-टॉयलेट बनाने और लगाने की पूरी प्रक्रिया सी एम एल आर वर्कशॉप के अपने स्टाफ़ ने की। इन कामों में एफ आर पी टॉयलेट मॉड्यूल, बायो-टैंक और पानी की टंकियों की जाँच; ज़रूरी मरम्मत और सुधार; सपोर्ट स्ट्रक्चर बनाना; मॉड्यूलर टॉयलेट यूनिट को जोड़ना; और पानी, सैनिटरी, प्लंबिंग और ड्रेनेज कनेक्शन देना शामिल था।

व्यापार समाचार

13 हजार की नौकरी वाले शख्स ने खड़ी कर दी 3,000 करोड़ की कंपनी, एक थप्पड़ ने कुछ इस तरह बदल डाली जिंदगी

नई दिल्ली(ए.)। कभी 13 हजार रुपये महीने की नौकरी करने वाले आकाश गुप्ता आज करीब 3,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन वाली कंपनी Zypp Electric के को-फाउंडर और सीईओ हैं। हरे रंग के इलेक्ट्रिक स्कूटरों के जरिए लास्ट-माइल डिलीवरी के लिए पहचानी जाने वाली इस कंपनी ने तेजी से अपना कारोबार बढ़ाया है। दिलचस्प बात यह है कि आकाश के सफर में एक ऐसा दौर भी आया, जब उन्होंने करीब 1 करोड़ रुपये सालाना की नौकरी छोड़कर अपना कारोबार शुरू किया और पहला स्टार्टअप बुरी तरह असफल हो गया। लेकिन इसी असफलता से आगे चलकर 4pp Electric की नींव पड़ी। खास बात यह भी है कि आकाश और उनकी को-फाउंडर राशि अग्रवाल जब अपने बिजनेस आइडिया को लेकर Shark Tank India पहुंचे, तो उन्हें वहां से कोई डील नहीं मिली।

चौथी कक्षा में मिले एक थप्पड़ ने बदल दी सोच

आकाश गुप्ता का बचपन जयपुर के एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार में बीता। उनके पिता सरकारी डॉक्टर थे और मां गृहिणी थीं। बचपन में पढ़ाई को लेकर आकाश बहुत गंभीर नहीं थे। कहा जाता है कि चौथी कक्षा में एक बार परीक्षा में उन्हें 100 में से सिर्फ 44 अंक मिले। रिजल्ट देखकर उनकी मां काफी निराश हुईं। घर पहुंचने के बाद उन्हें डांट और थप्पड़ भी पड़ा। आकाश के लिए वह घटना सिर्फ सजा नहीं थी, बल्कि खुद को बदलने का एक बड़ा सबक बन गई। उनके मुताबिक, उस दिन उन्हें एहसास हुआ कि जिंदगी में कुछ हासिल करना है तो मेहनत करनी होगी और अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा।

13 हजार की नौकरी से करियर की शुरुआत

इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद आकाश ने Infosys में नौकरी शुरू की। उनकी शुरुआती सैलरी करीब 13 हजार रुपये महीने थी। उस समय उनके कई दोस्त IIT से पढ़ाई करके लाखों रुपये के पैकेज पर नौकरी कर रहे थे।आकाश ने आगे बढ़ने के लिए MBA करने का फैसला किया। उन्होंने CAT की तैयारी की और IMT गाजियाबाद में दाखिला लिया। इसके बाद उन्होंने कॉरपोरेट सेक्टर में करीब एक दशक तक काम किया।

नए पिक्सल 11 सीरीज के साथ भारत पर बड़ा दांव लगा रहा गूगल, स्थानीय विनिर्माण और एआई पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल ने भारत में अपनी नई पिक्सल 11 सीरीज लॉन्च करते हुए देश को अपने वैश्विक विस्तार और विनिर्माण रणनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के संकेत दिए हैं। ऐसे समय में जब रिपोर्ट्स में गूगल द्वारा चीन से पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स के उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से बाहर स्थानांतरित करने की बात कही जा रही है, भारत कंपनी के लिए एक प्रमुख विनिर्माण और विकास केंद्र के रूप में उभर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, भारत सरकार की स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियों और तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र ने गूगल जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांडों को आकर्षित किया है। गूगल पहले ही भारत में चुनिंदा पिक्सल स्मार्टफोन मॉडल का उत्पादन शुरू कर चुका है। अगस्त 2024 में पिक्सल 8 के साथ स्थानीय उत्पादन की शुरुआत हुई थी, और इसके बाद कंपनी ने देश में अपनी विनिर्माण गतिविधियों का विस्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गूगल ने नई पीढ़ी के पिक्सल उपकरणों के निर्माण के लिए फॉक्सकॉन जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी की है। इससे भारत को वैश्विक स्मार्टफोन आपूर्ति शृंखला में और मजबूत स्थान मिलने की उम्मीद है।गूगल इंडिया में डिवाइसेज एंड सर्विसेज के प्रबंध निदेशक मितुल शाह ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य हमेशा उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना रहा है, ताकि वे तकनीक का सहज अनुभव प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान भारतीय उपभोक्ताओं की दैनिक जरूरतों से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने पर केंद्रित है।

5वीं बार निकाला पैसा, तो लगेंगे इतने रुपये और GST अलग से, SBI ने करोड़ों ग्राहकों दिया झटका

नई दिल्ली(ए.)। अगर आपका खाता भारतीय स्टेट बैंक (SBI) में है और आपने Basic Savings Bank Deposit (BSBD) Account खुलवा रखा है, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। SBI ने BSBD खातों से कैश निकासी को लेकर नए सर्विस चार्ज की घोषणा की है। ये बदलाव 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। SBI की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, महीने में पहली चार कैश निकासी मुफ्त रहेगी, लेकिन इसके बाद प्रत्येक अतिरिक्त निकासी पर 15 रुपए + लस्ज्ञ का शुल्क देना होगा।

1 अक्टूबर से लागू होंगे नए चार्ज

SBI के नए नियम के अनुसार, BSBD खाते से एक महीने में पहली 4 कैश निकासी पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसके बाद की प्रत्येक कैश निकासी पर 15 रु का सर्विस चार्ज और उस पर लागू GST देना होगा। यानी अगर किसी ग्राहक ने एक महीने में चार बार कैश निकाल लिया और पांचवीं बार भी कैश निकाला, तो पांचवीं निकासी पर रु15 + GST का शुल्क लगेगा।

BSBD अकाउंट क्या होता है?

BSBD अकाउंट एक बेसिक सेविंग अकाउंट है, जिसे खास तौर पर ऐसे ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिन्हें बिना न्यूनतम बैलेंस की बाध्यता के बुनियादी बैंकिंग सुविधाएं चाहिए। SBI के अनुसार, इस खाते में न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता नहीं है और पात्र ग्राहकों को बेसिक RuPa4 डेबिट कार्ड की सुविधा भी दी जाती है।

कौन-कौन सी निकासी गिनी जाती है?

SBI की मौजूदा जानकारी के अनुसार, चार मुफ्त निकासी की सीमा में ATM और बैंक से की जाने वाली निकासी जैसी कैश निकासी शामिल होती है। हालांकि, डिजिटल भुगतान जैसे UPI, NEFT, RTGS और IMPS को मौजूदा BSBD नियमों में कैश निकासी की इस सीमा में नहीं गिना जाता। इसलिए PI से पैसे भेजने और ATM से कैश निकालने को एक ही तरह की ट्रांजैक्शन मानना सही नहीं होगा। नए चार्ज मुख्य रूप से तय सीमा से अधिक कैश निकासी पर लागू होंगे।

5वीं निकासी पर कितना देना होगा?

मान लीजिए आपने अक्टूबर में चार बार BSBD खाते से कैश निकाला। इसके बाद पांचवीं बार कैश निकालने पर-

सर्विस चार्ज: 15 रुपए + लागू GST

इसके बाद छठी और सातवीं जैसी हर अतिरिक्त कैश निकासी पर भी यही शुल्क लागू होगा। ग्राहकों को क्या ध्यान रखना चाहिए?

BSBD खाते का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को महीने में अपनी कैश निकासी की संख्या पर नजर रखनी चाहिए। अगर आपको बार-बार कैश निकालने की जरूरत पड़ती है, तो चार मुफ्त निकासी पूरी होने के बाद अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है।

सिंगापुर में भारत के शीर्ष मंत्रियों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की, सहयोग के नए क्षेत्रों पर हुआ मंथन

सिंगापुर(ए.)। भारत और सिंगापुर के बीच आर्थिक तथा रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) के दौरान भारत के शीर्ष मंत्रियों ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की और भविष्य के सहयोग के नए क्षेत्रों पर चर्चा की।

बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया। उनके साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी शामिल रहे। दोनों देशों के नेताओं ने साझेदारी को और गहरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं और पहलों की समीक्षा की। आईएसएमआर के तहत दोनों देशों के बीच सहयोग के छह प्रमुख स्तंभों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिनमें उन्नत विनिर्माण, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, कौशल विकास और सतत विकास शामिल हैं। इन क्षेत्रों में हासिल की गई प्रगति का आकलन करने के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।वित्त मंत्रालय के अनुसार, नेताओं ने आर्थिक सहयोग, डिजिटल परिवर्तन, परिवहन संपर्क, कौशल विकास और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय भागीदारी को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की।

धेनु बिल्डकॉन ने 1,000 करोड़ रुपए के कर्ज का जाल बनाने के लिए 25 करोड़ रुपए का बार-बार किया इस्तेमाल : सेबी

मुंबई (ए.)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आरोप लगाया है कि धेनु बिल्डकॉन इंफ्रा लिमिटेड ने आपस में जुड़ी संस्थाओं के नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए 25 करोड़ रुपए की मूल राशि को बार-बार इधर-उधर घुमाया, जिससे ऐसा प्रतीत हुआ कि कंपनी को 1,000 करोड़ रुपए का वास्तविक असुरक्षित कर्ज मिला था।

ये आरोप सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश चंद्र वार्ष्णेय द्वारा पारित अंतरिम आदेश में लगाए गए हैं। नियामक के अनुसार, इस कथित व्यवस्था को सुरेंद्र कुमार जैन और वीरेंद्र जैन ने संचालित किया और इसमें धेनु बिल्डकॉन तथा कंपनी से जुड़ी कई संस्थाएं शामिल थीं।

सेबी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान धेनु बिल्डकॉन को कथित तौर पर सात संस्थाओं से 1,000 करोड़ रुपए का असुरक्षित कर्ज मिला। इसके बाद कंपनी ने दिसंबर 2025 में इन छह संस्थाओं को प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए कथित 840 करोड़ रुपए के कर्ज को इक्विटी में बदल दिया।

हालांकि, लेनदेन में कथित रूप से शामिल संस्थाओं के बैंक खातों की जांच से पता चला कि कथित 1,000 करोड़ रुपए की राशि का प्रवाह आपस में जुड़ी संस्थाओं के खातों के जरिए 25 करोड़ रुपए की एक ही मूल राशि को बार-बार अलग-अलग स्तरों पर घुमाने और प्रसारित करने से तैयार किया गया था।

नियामक ने आगे आरोप लगाया कि शुरुआती 25 करोड़ रुपए की राशि भी अन्य जुड़ी हुई संस्थाओं से जुड़े संदिग्ध फंड लेनदेन से आई थी।

फंड के ट्रेल के अपने विश्लेषण के आधार पर सेबी ने कहा कि उसने प्रथम दृष्टया निष्कर्ष निकाला है कि कथित कर्ज वास्तविक लेनदेन नहीं थे।

इसके परिणामस्वरूप, नियामक ने आरोप लगाया कि 840 करोड़ रुपए का प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट वास्तविक वित्तीय लेनदेन के बिना किया गया था।

सेबी ने धेनु बिल्डकॉन, कर्जदाता और तरजीही आवंटन पाने वाली संस्थाओं तथा कंपनी से धन प्राप्त करने वाली अन्य संस्थाओं के बीच कई संबंधों की भी पहचान की। इन संबंधों में एक जैसे पते, निदेशक, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता और बैंक शाखाएं शामिल थीं। इसके अलावा, इन संस्थाओं के बीच बड़े पैमाने पर एक-दूसरे की शेयर हिस्सेदारी भी थी।

नियामक के अनुसार, इस नेटवर्क का हिस्सा रही संस्थाएं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सुरेंद्र जैन और वीरेंद्र जैन के स्वामित्व, नियंत्रण या प्रबंधन में थीं।सेबी ने एक असंबंधित मामले में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान बरामद चैट संदेशों और कॉल रिकॉर्ड का भी जिक्र किया। नियामक ने कहा कि इनसे इस नेटवर्क पर कथित रूप से किए जा रहे नियंत्रण के सबूत मिले।इन संस्थाओं के पंजीकृत कार्यालयों के भौतिक निरीक्षण के दौरान भी चिंताएं सामने आईं। सेबी ने कहा कि ऐसा प्रतीत हुआ कि इन संस्थाओं की वास्तविक भौतिक मौजूदगी और व्यावसायिक गतिविधियों का ठोस आधार नहीं था।नियामक ने आगे कहा कि कथित लेनदेन ऐसे समय में हुए जब धेनु बिल्डकॉन के बाजार मूल्यांकन में नाटकीय वृद्धि हुई थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नौकरी की मजबूरी

भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश बने हुए हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है।

लाल सागर में यमन के पास भारतीय झंडे वाला एक व्यावसायिक जहाज डूब गया। राहत की बात है कि जहाज पर सवार 14 नाविकों को बचा लिया गया, जिनमें 13 भारतीय हैं। भारतीय जहाज एसएसवी फैज नूर ओलिया पर यमन के हुदैदा/ मोखा बंदरगाह के पास मिसाइल अथवा ड्रोन से हमला हुआ। हमला किसने किया, तुरंत यह मालूम नहीं हो सका, लेकिन यमन के पास इस जलमार्ग में जहाजों को अक्सर अंसारुल्लाह (हुती) विद्रोही निशाना बनाते रहे हैं। अंसारुल्लाह ने लाल सागर में मौजूद बाब-ए-मंदाब जल मार्ग को आम नौवहन के लिए बंद कर रखा है। इसके पहले खाड़ी में पांच महीनों से जारी युद्ध के दौरान होरमुज जलडमरूमध्य के आसपास जहाजों पर हुए हमलों में कम-से-कम 14 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं।

इस बीच पिछले महीने काला सागर से गुजरने का प्रयास भी भारतीय नाविकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। बीते 18 जुलाई और 19 जुलाई को दो हमलों में पांच भारतीय नाविक मारे गए। ये हमले यूक्रेन ने किए। ऐसे मामलों में भारत सरकार की प्रतिक्रिया कड़ी निंदा करने तक सीमित रही है। पिछले महीने यह खबर जरूर मीडिया में आई थी कि भारत सरकार ने शिपिंग कंपनियों को खतरनाक इलाकों में जाने वाले जहाजों में भारतीय नाविकों की ड्यूटी ना लगाने का निर्देश दिया है। ऐसे कथित निर्देश के औचित्य पर तभी कई सवाल उठे थे। बहरहाल, अब यह साफ हो चुका है कि अगर सचमुच वैसा कोई दिशा-निर्देश दिया गया था, तो वह बेअसर साबित हुआ है।तमाम नाविकों की तरह भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और ईरान के युद्ध में अब सबसे बड़ा मसला होरमुज का ही रह गया है, जिस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए ईरान अडिग है। उधर हूतियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई छिड़ने से लाल सागर में भी खतरा बढ़ा है। इन सबके बीच भारतीय नाविकों को कैसे बचाया जाए, यह सवाल रोज अधिक बड़ा होता चला गया है।

कश्मीर पर अमेरिका का बदलता रुख

प्रमोद भार्गव

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले जम्मू-कश्मीर दौरे में यहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद कश्मीर को भारत का अभिन्न और अहम भू-भाग बताया। सुरक्षा के लिहाज से सराहना की। अमेरिकी राजदूत का यह बयान अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के स्तर पर चौंकाने वाला होने के साथ अमेरिका-भारत के संबंधों में बदलाव का उल्लेखनीय संकेत है। लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका की स्थिति भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय विवाद के रूप में देखी जाती रही है। जिसे अक्सर 'भारतीय प्रशासन वाले कश्मीर' जैसे शब्दों से संबोधित किया जाता रहा है। ऐसे में कश्मीर की धरती पर एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक का यह दो टूक बयान इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर कश्मीर को लेकर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इस बयान से पाकिस्तान को तो झटका लगा ही है, चीन भी सकते में है। अमेरिका ने वर्ष 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के तात्कालिक पूर्वी लद्दाख और लेह को छोड़कर अपने नागरिकों को यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी हुई है। इस यात्रा चेतावनी को चौथी श्रेणी में रखा हुआ है। गोर ने फिलहाल इस यात्रा चेतावनी को कम करने का कोई संकेत नहीं दिया है लेकिन उम्मीद है कि इस बिंदु पर अमेरिका यात्रा में छूट दे सकता है। हालांकि उस समय अनुच्छेद-370 बहाल थी और घाटी में आतंकी संकट की छाया छाई रहती थी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद-370 और 35-ए को भारत सरकार ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते विलोपित कर दिया, उसी के बाद से कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हालातों में निरंतर सुधार हो रहे हैं और पत्थरबाजी व अन्य आतंकी घटनाओं में कमी आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के एक दिन बाद ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उक्त चेतावनी की फिर से पुष्टि करते हुए नई एडवाइजरी जारी कर दी थी। जो अभी भी लागू है।चूंकि गोर दक्षिण एशिया व मध्य एशियाई मामलों के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि हैं इसलिए उनकी कश्मीर यात्रा और दो टूक बयान की अपनी अहमियत है। खासतौर पर तब जब पाकिस्तान के संबंध भी अमेरिका के साथ फिलहाल मधुर बने हुए हैं और अमेरिका ईरान से लड़े जा रहे युद्ध में पाकिस्तान को अपने हितों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। इस बयान से उमर अब्दुल्ला को भी बड़ा झटका लगा है क्योंकि वे कुछ दिनों से अनुच्छेद-370 की पुर्नबहाली की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जून 2026 में 'द हिंदू हडल' (अंग्रेजी समाचार पत्र) सत्र के दौरान कहा था

कि 2019 में 370 को हटाना भारत सरकार की सबसे बड़ी नीतिगत भूल थी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा और विशेष संवैधानिक अधिकारों की बहाली की भी मांग की थी।पाकिस्तान धर्म की घुट्टी पिलाकर 35 साल से भारत पर आतंकी हमले करता रहा है। जबकि उसे सबसे मुकम्मल जवाब ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया गया था लेकिन वह बाज नहीं आ रहा है। गैर-कश्मीरियों और हिंदुओं की हत्या के लिए उसकी क्रूरता समाप्त नहीं हो रही है। जाहिर है, पाकिस्तान भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बदले को भूल गया है। उसे एक बार फिर करारा जबाव देना होगा। दरअसल, इस समय पाकिस्तान अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे आजादी के आंदोलन से भी जूझ रहा है। वहां भी उसने निर्ममता बरतते हुए सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों को भूनने का काम किया है। पाक की ये हरकतें इसलिए भी बरकरार हैं क्योंकि ईरान हमले में उलझा अमेरिका उसकी पीठ थपथपाने में लगा है। ऐसे में भारत को अनेक कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को विवश करना पड़ रहा है। अब जाकर उसे कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका का दो टूक जवाब मिला है। अनुच्छेद-370 हटने के बाद भी हालातों में सुधार नहीं हो पा रहा है तो इसका एक बड़ा कारण मजहबी कट्टरता पर चोट नहीं कर पाना है। साफ है कि यह समस्या अब राजनैतिक व संवैधानिक नहीं रह गई है बल्कि धार्मिक चरमपंथ के रूप में सामने आ रही है। इस हिंसक उन्माद का सोच पाकिस्तान से निर्यात आतंकवाद तो है ही, घाटी में कुकुरमुत्तों की तरह मस्जिदों और मदरसों में फैला, वह शिक्षा का तंत्र भी है, जो आतंक की फसल बोने और उगाने का काम करता है। यही वजह है कि जितने भी इस्लामिक देश हैं, उनमें न तो अल्पसंख्यकों का जनसंख्यात्मक घनत्व बढ़ रहा है और न ही उन्हें नागरिक समानता के अधिकार मिल रहे हैं। कश्मीर में भी जिहादी चाहते हैं कि गैर-मुस्लिम या तो इस्लाम स्वीकार करें या फिर घाटी छोड़ जाएं।इस दोषपूर्ण मंशा को संविधान निर्माण के समय ही डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समझ लिया था। शेख अब्दुल्ला ने जब जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने की मांग की तो अंबेडकर ने सख्त लहजे में कहा था कि 'आप चाहते हो कि भारत कश्मीर की रक्षा करे, कश्मीरियों की आर्थिक सुरक्षा करे, कश्मीरियों को संपूर्ण भारत में समानता का अधिकार मिले लेकिन भारत और अन्य भारतीयों को आप कश्मीर में कोई अधिकार देना नहीं चाहते? मैं देश का कानून मंत्री हूं और मैं अपने देश के साथ कोई अन्याय या विश्वासघात किसी भी हालत में नहीं कर सकता हूं।' नेहरू के अनावश्यक दखल से कश्मीर को विशेष दर्जा मिल गया।

इस भिन्नता का संकट देश बंटवारे से लेकर अबतक भुगत रहा है। यही वजह है कि इस बंटवारे के बाद पाकिस्तान से जो हिंदू, बौद्ध, सिख और दलित शरणार्थी के रूप में जम्मू-कश्मीर में ही ठहर गए थे, उन्हें मौलिक अधिकार अनुच्छेद-370 हटने के बाद मिल पाए हैं। इनकी संख्या करीब 70-80 लाख है, ये 56 शरणार्थी शिविरों में सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से महरूम रहते हुए बद से बदतर जिंदगी का अभिशाप अनुच्छेद-370 हटने से पहले तक भोगते रहे हैं। पहलगाम हमले के बाद जितने भी आतंकी हमले कश्मीर में हुए हैं, उनमें से ज्यादातर की जिम्मेदारी भी टीआरएफ ने ली थी। यह लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा संगठन है। यह लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों को अंजाम देता है। भारतीय सेना ने कोटली अब्बास में जिस आतंकी शिविरों को तबाह किया किया था, इसमें 1500 आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था। मुरीदके में जिस मरकज तैयबा को ध्वस्त किया गया था, यहां लश्कर का मुख्यालय माना जाता है। यहीं से मुंबई हमले का प्रमुख आतंकी अजमल कसाब ने प्रशिक्षण लिया था। इस जवाबी कार्रवाई के बाद भारत की कूटनीति अत्यंत सफल दिखाई दी थी क्योंकि अमेरिका, रूस और जापान ने भारत का तत्काल खुलकर समर्थन किया था। यह समर्थन मोदी ने वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के लिए जो मुहिम चलाई हुई है, उसका परिणाम थी।

प्रेम पर पहरा नहीं, छल पर शिकंजा – महाराष्ट्र कानून का असली इम्तिहान

प्रो. आरके जैन अरिजीत

किसी समाज की असली परीक्षा तब होती है, जब प्रेम, आस्था और कानून आमने-सामने हों। महाराष्ट्र में धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026 को 28 अगस्त 2026 से लागू करने की तैयारी/अधिसूचना ने यही सवाल सामने ला दिया है। अंतरधार्मिक विवाह, कथित 'लव जिहाद' और सामूहिक धर्मांतरण पर बहस अब महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं रही; यह धार्मिक स्वतंत्रता, विवाह की पसंद, महिलाओं की सुरक्षा और राज्य की जिम्मेदारी के बीच संतुलन का प्रश्न बन गई है। कानून का घोषित उद्देश्य जबरन, धोखे, दबाव या प्रलोभन से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोकना है। लेकिन कानून की मंशा जितनी महत्वपूर्ण है, उसका इस्तेमाल उससे कहीं अधिक। इसलिए इस व्यवस्था को भावनाओं से नहीं, अधिकारों और तथ्यों की कसौटी पर परखना होगा।प्रस्तावित महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026 के तहत स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को जिलाधिकारी को 60 दिन पहले सूचना देनी होगी। नोटिस सार्वजनिक होगी और आपत्ति या जांच हो सकती है। इससे पारदर्शिता और स्वतंत्र इच्छा से धर्म परिवर्तन सुनिश्चित होगा। अंतरधार्मिक विवाह में यदि साबित हो कि विवाह का एकमात्र उद्देश्य अवैध धर्म परिवर्तन था और उसमें दबाव, धोखा या लालच था, तो अदालत विवाह अवैध घोषित कर सकती है। ऐसी स्थिति में संतान को मां का विवाह-पूर्व धर्म देने का प्रावधान है। उद्देश्य कमजोर, खासकर महिलाओं, की सुरक्षा है। लेकिन सवाल है कि पारदर्शिता कहीं निजी निर्णय को सार्वजनिक जांच और सामाजिक दबाव में तो नहीं बदल देगी? दरअसल, 'लव जिहाद' का विवाद यहीं कठिन हो जाता है। विवाह के बहाने धोखे से धर्म परिवर्तन के आरोप लंबे समय से सामने आते रहे हैं। यदि किसी संबंध में छल, दबाव या सुनियोजित धर्म परिवर्तन का प्रयास हो, तो कानून का हस्तक्षेप उचित है। इसी आधार पर सामूहिक धर्मांतरण पर कठोर प्रावधान हैं—सात वर्ष तक की सजा और पांच लाख रुपये तक जुर्माना; सामान्य मामलों में जुर्माना एक लाख रुपये तक, जबकि बार-बार दोषी होने पर सजा दस वर्ष और जुर्माना सात लाख रुपये तक हो सकता है। अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती है, ताकि पुलिस तत्काल कार्रवाई कर सके।

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति परंपरा व आस्था से जुड़ा है हरेली तिहार

छगन लाल लोन्हारे

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा।

परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर

अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है।

हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं।

सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ॠतु में धरती हरा चादर ओढ़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है।

हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांध्कर दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं।

गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है।

पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है।

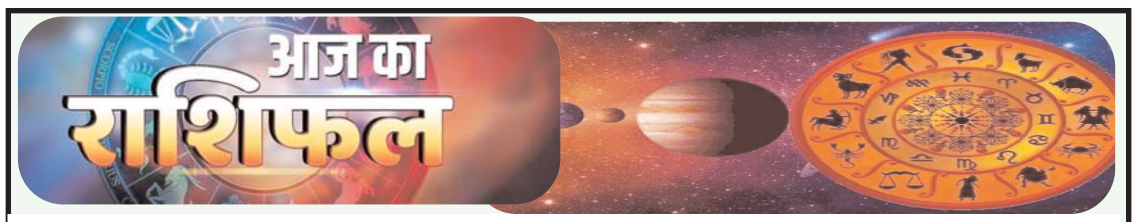

मेष राशि:मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल बना रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिससे आप अच्छा लाभ कमायेंगे। नवविवाहित दंपति को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिलेगा, जिससे आपको ख़ुशी होगी।

वृष राशि:वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज इलेक्ट्रॉनिक्स के बिजनेस में आपको अच्छा धन लाभ होगा, आप कारोबार को आगे बढाने का विचार कर सकते हैं। इस राशि के शिक्षकों का ट्रान्सफर उनकी मनपसंद जगह पर हो जायेगा। जॉब के लिए प्रयासरत युवाओं को अपनी तलाश जारी रखने की जरूरत है, जल्द ही जॉब मिलेगी।

मिथुन राशि:मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको मनपसंद चीज प्राप्त होगी, जिससे आपको ख़ुशी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे, घरवाले आपके रिश्ते की बात को आगे बढ़ा सकते हैं।

कर्क राशि:कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज नए बिजनेस को शुरू करने का विचार आपको उत्साहित करेगा। आज आप परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना सकते है। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन आज खत्म हो जाएंगी, जीवनसाथी खुश होने की वजह देंगे।

सिंह राशि:सिंह राशि वालों आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज करीबी दोस्त की वजह से आपको जॉब मिलेगी, इससे आपकी दोस्ती और गहरी होगी।

कन्या राशि:कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फर्नीचर का सामान खरीद सकते हैं, जिससे घर की रौनक बढ़ जाएगी। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें भाई का पूरा सहयोग मिलेगा। आज बच्चे आपसे मन की बात शेयर करेंगे, आप उनकी बातों को ध्यान से सुने और प्यार से समझाएं।

तुला राशि:तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप कॉस्मेटिक प्रोडक्ट को ऑनलाइन वेबसाइट पर लांच करेंगे, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको कोई नया टारगेट दे सकते हैं। आज आप जीवनसाथी के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते है।

वृश्चिक राशि:वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। आज आप अधिकतर कार्यों को पूरा कर लेंगे, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे, जिससे उनके जीवन में बदलाव आएगा। आज घर में बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु राशि:धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने दोस्त की मदद से रुके हुए प्रोजेक्ट को पूरा कर लेंगे। आज आपको बिजनेस डील में बड़ा धन लाभ होगा। आज ऑफिस में आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी। लम्बे समय से चल रही किसी स्वास्थ्य समस्या आज आपको मुक्ति मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि:मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप ऑफिस में कई दिनों से रुका कार्य आज समय से पूरा कर लेंगे। आज घर में किसी खास रिश्तेदार के आगमन से ख़ुशी का माहौल बनेगा। ट्रांसपोर्ट के कारोबारियों को अच्छा लाभ होगा, जिससे आपके मन को संतुष्टि मिलेगी।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत बनेगा। क

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपने सभी जरूरी कार्यों को समय से पूरा कर लेंगें, जिससे आप अन्य कार्यों के लिए भी समय निकाल सकें।

प्राकृतिक खेती - सतत कृषि और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

भारत ने पिछले दशक में कृषि क्षेत्र में तेज प्रगति की है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, पिछले 5 सालों में विकास दर 4% से अधिक रही है। खाद्यान्न, बागवानी और तेलहन फसलों का बंपर उत्पादन हुआ है। यह किसानों द्वारा नई तकनीकों को अपनाने और सिंचाई वाले क्षेत्र का विस्तार, बेहतर जल उपयोग दक्षता और समय पर व पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्धता जैसी सरकार की ठोस नीतियों के समर्थन का परिणाम है। बागवानी फसलों की हिस्सेदारी भी काफ़ी बढ़ रही है और इसकी विकास दर अपेक्षाकृत अधिक है।

हालांकि, रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं, जिसके कारण मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और प्रमुख फसलों की उत्पादकता में स्थिरता आ रही है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, नाइट्रोजन उपयोग दक्षता (एनयूई) में धीरे-धीरे आई कमी के कारण एक ऐसा दुष्चक्र बन गया है, जिसमें किसान रासायनिक खादों की मात्रा तो लगातार बढ़ा रहे हैं, लेकिन उत्पादकता में बहुत मामूली बढ़ोतरी ही हो रही है।

सरकार की मृदा स्वाथ्य और उर्वरक योजना के तहत 26 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण किया गया है। इससे प्राप्त डेटा के अखिल-इंडिया विश्लेषण से चिंताजनक बात सामने आई है कि मिट्टी में जैविक कार्बन (एसओसी) और अन्य जरूरी सूक्ष्म-पोषक तत्वों की भारी कमी है। स्वस्थ मिट्टी में एसओसी 1% से अधिक होना चाहिए, लेकिन यह औसतन 0.5% के आसपास है और कुछ क्षेत्रों में यह 0.3त्न तक के यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

कम मात्रा में एसओसी से मिट्टी की सरंध्रता कम हो जाती है, जिसका दोहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है: पानी का जमीन में रिसाव और जल धारण क्षमता, दोनों में कमी आती है। परिणामस्वरूप, वर्षा और सिंचाई का पानी बह जाता है, जो ऊपरी मिट्टी को बहा ले जाता है और न तो यह जमीन के नीचे जाकर भूजल स्तर बढ़ा पाता है और न ही पौधों की वृद्धि के लिए आसानी से उपलब्ध रहता है।

कम एसओसी का एक और नकारात्मक प्रभाव यह है कि ऐसे मिट्टी पर उगाए जाने वाले पौधों की पोषक तत्व अवशोषण क्षमता कम हो जाती है। समान उत्पादकता स्तर तक पहुँचने के लिए अधिक से अधिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ी हुई खुराक उर्वरक उपयोग दक्षता को और कम कर देती है, जिससे मृदा-स्वास्थ्य का नुकसान होता है और देश रासायनिक उर्वरकों या उनके घरेलू उत्पादन के कच्चे माल को आयात करने में अपनी कीमती विदेशी मुद्रा खर्च करता है।

अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के असंतुलित उपयोग ने उन लाभकारी सूक्ष्मजीवों और कीड़ों को भी कम कर दिया है, जो मिट्टी की सरंध्रता को बेहतर बनाने और गहरी मिट्टी से पोषक तत्वों को ऊपरी मिट्टी तक स्थानांतरित करने में मदद करते हैं, ताकि पौधे उन्हें अवशोषित कर सकें।

एक अन्य चिंताजनक प्रभाव उपज की गुणवत्ता और सुरक्षा पर पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि रसायन खाने-पीने और पशु चारे की श्रृंखला में पहुँच जायेंगे और आखिरकार मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करेंगे। ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें फलों, सब्जियों, अनाज और अन्य वाणिज्यिक फसलों में कीटनाशकों का न्यूनतम अवशेष स्तर तय सीमा को पार कर गया है, जिसके चलते निर्यात की खेपें रद्द होती हैं और वैश्विक बाजार में ब्रांड इंडिया की छवि पर बुरा पड़ता है।हालांकि ये चिंताएँ कुछ समय से व्यक्त की जा रही हैं, लेकिन सरकार ने वर्ष 2024 में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की, जिसका मुख्य उद्देश्य सतत कृषि के लिए पशुधन या गाय आधारित रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देना है, ताकि मिट्टी की सेहत खासकर एसओसी में सुधार हो सके, पौष्टिक तत्वों के अवशोषण की क्षमता बढ़ सके और रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर देश की निर्भरता कम हो सके।

प्राकृतिक खेती, जिसे इसके समर्थकों द्वारा आमतौर पर जीरो बजट खेती कहा जाता है, एक ऐसी तकनीक पर आधारित है, जिसे किसानों ने कई सालों तक आज़माया और परखा है तथा इसे मान्यता दी है। इसके परिणाम भी बहुत उत्साहजनक रहे हैं। यह एक समग्र तकनीकी समाधान पर आधारित है, जिसमें स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया जाता है, जैसे स्थानीय नस्ल की गाय का गोबर और गोमूत्र, जिनकी लागत किसान के लिए लगभग शून्य होती है।

बीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाला बीजामृत सूत्र बेहतर अंकुरण और मजबूत पौधों में मदद करता है, जबकि जीवामृत, घन-जीवामृत और सप्तयांकुर का उपचार मित्र सूक्ष्मजीवों की मौजूदगी और मृदा-उत्पादकता को काफी बढ़ा देता है। पौधों के स्वास्थ्य की रक्षा सौंठास्त्र और खट्टी लस्सी के इस्तेमाल से की जाती है, जो बैक्टीरिया और फफूंद संक्रमण को रोकते हैं, जबकि विभिन्न प्रकार के कीड़ों और कीट को नियंत्रित करने के लिए नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र और दशपर्णी अर्क का प्रयोग किया जाता है।

उपरोक्त सभी उपचारों की सावधानीपूर्वक तैयारी और उचित मात्रा में उपयोग से मिट्टी की सेहत के बेहतर परिणाम मिले हैं और उत्पादकता पर भी कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है, जबकि उपज की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। मिशन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से प्रगति कर रहा है, जिसका लक्षित क्षेत्र 7.5 लाख हेक्टेयर से अधिक है और यह 18 लाख से अधिक किसानों को कम से कम 50 हेक्टेयर के क्लस्टर में कवर करता है। कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की टीम, जिसे किसान प्रशिक्षक और कृषि सखी संसाधन व्यक्ति के रूप में सहायता प्रदान कर रहे हैं, किसानो को जागरूक कर रही है, प्रशिक्षण दे रही है और इस खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

भारत की विकास यात्रा में राजीव गांधी का भी अहम योगदान, राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती की अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बड़ा बयान दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में राजीव गांधी का भी अहम योगदान रहा है। राजनाथ सिंह के बयान के बाद सियासी पारा बढ़ सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत की विकास यात्रा में उनका भी अहम योगदान रहा है। पूर्व पीएम राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में अहम रही। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को विश्व में वर्तमान स्थान दिलाया और इसीलिए उन्हें भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का जनक कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती को हर साल सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

वहीं, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने भारत के निर्माण और तरक्की के लिए आधुनिक तकनीक और नए विचारों को अपनाने में विश्वास जताया। इसके लिए यह बेहद जरूरी था कि युवाओं की भागीदारी और उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए समुचित व्यवस्था और अवसर प्रदान किए जाए।

आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित भारत के निर्माण की दिशा तय करता है प्रधानमंत्री का विजन : अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से देश के युवाओं, महिलाओं और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर कई महत्वपूर्ण संकल्प देश के सामने रखे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन युवा शक्ति, नारी शक्ति और नई तकनीक की ताकत के माध्यम से आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित भारत के निर्माण की दिशा तय करता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए गए संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में गरीब और मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग, एक करोड़ युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रशिक्षण और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की अपील जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सामने रखा।

युवाओं और विद्यार्थियों के लिए नए अवसर

अन्नपूर्णा देवी के अनुसार, विद्यार्थियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की पहल आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों के युवाओं को बेहतर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि एक करोड़ युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े कौशल का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य भारत के युवा वर्ग को भविष्य की तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और नवाचार के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद है।

नारी शक्ति को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की अपील को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश के विकास में महिलाओं की समान और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना विकसित भारत के निर्माण के लिए आवश्यक है।

उनके अनुसार, नारी शक्ति को शिक्षा, रोजगार, नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में अधिक अवसर मिलने से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति मिल सकती है।

खेल और तकनीक में वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की खेल क्षमता और वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दिशा में भी देश के सामने दृष्टिकोण रखा है।

इसके साथ ही भारत की अपनी छठी पीढ़ी (6जी) दूरसंचार तकनीक विकसित करने का विजन देश को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी नई गति

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण, खेल और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पर केंद्रित ये पहल भारत के भविष्य की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। युवा शक्ति और नारी शक्ति को अवसरों से जोड़ने तथा नई तकनीक को विकास का आधार बनाने से भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में और मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह विजन देश को आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित भारत बनाने के संकल्प को नई दिशा और गति प्रदान करता है।

जम्मू-कश्मीर में वंदे भारत ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब पुल पर 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ी

जम्मू, (आरएनएस)। रेल मंत्रालय से कटरा-बनिहाल रेल सेक्शन पर अधिकतम गति बढ़ाने की मंजूरी मिलने के बाद वंदे भारत ट्रेन ने पहली बार चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर लगभग 100 किमी प्रति घंटा की गति से यात्रा की।आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस मंजूरी से नॉर्दर्न रेलवे के जम्मू डिवीजन के तहत श्री माता वैष्णो देवी कटरा और बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे नए ब्रॉड गेज रेल सेक्शन पर ट्रेनों को 100 किलोमीटर (किमी) प्रति घंटा तक की गति से चलाने की अनुमति मिल गई है।इससे पहले कटरा-संगालदान सेक्शन पर अनुमत गति 85 किमी प्रति घंटा और संगालदान-बनिहाल सेक्शन पर 75 किमी प्रति घंटा थी। नॉर्दर्न रेलवे ने यह भी कहा है कि गति बढ़ाने की मंजूरी सभी निर्धारित सुरक्षा शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के बाद दी गई। जम्मू के सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल ने बताया कि गति बढ़ने से यात्रा का समय कम होगा और जम्मू-कश्मीर के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।उन्होंने कह कि इस कदम से यात्रियों को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा साथ ही इस क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गति सीमा में बदलाव के साथ श्री माता वैष्णो देवी कटरा और बनिहाल के बीच यात्रा के समय में और कमी आने की उम्मीद है। कश्मीर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर पहली बार 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी है। यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह जम्मू-कश्मीर के लिए रेलवे कनेक्टिविटी की दिशा में भी ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे पहले, इस सेक्शन पर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से संगलदान सेक्शन के लिए 85 किलोमीटर प्रति घंटा और संगलदान से बनिहाल सेक्शन के लिए 75 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार थी।कश्मीर तक वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का सपना फरवरी, 2025 में पूरा हुआ। जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 269 किलोमीटर की दूरी 4 घंटे 50 मिनट में तय करती है। यह आधुनिक ट्रेन चिनाब ब्रिज और अंजी खड्ड ब्रिज जैसे ऊंचे पुलों से होकर गुजरती है।यह प्रतिष्ठित पुल चिनाब नदी के तल से 359 मीटर (1,178 फीट) की ऊंचाई पर बना है। यह पेरिस के प्रसिद्ध एफिल टॉवर से भी लगभग 35 मीटर ऊंचा है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का एक मुख्य हिस्सा है। इस मार्ग पर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने से जम्मू और श्रीनगर के बीच का यात्रा समय काफी कम हो जाएगा।

वैवाहिक विवाद में बच्चे का हो सकता है डीएनए टेस्ट, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि कुछ परिस्थितियों में शादी के दौरान जन्मे बच्चे के पितृत्व की जांच के लिए डीएनए टेस्ट कराया जा सकता है। अदालत ने यह फैसला उस मामले में सुनाया, जिसमें पति ने पत्नी पर बेवफाई का आरोप लगाते हुए तलाक की मांग की थी और दावा किया था कि वह बच्चे का जैविक पिता नहीं है।

जस्टिस एम. एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने बच्चे के पितृत्व परीक्षण का विरोध करते हुए कहा था कि किसी व्यक्ति को जबरन डीएनए टेस्ट कराने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उसने मांग की थी कि पति की तलाक याचिका पर बिना डीएनए टेस्ट के फैसला किया जाए।सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि अगर महिला अपने पति के प्रति वफादार है, तो फिर डीएनए टेस्ट का विरोध करने की जरूरत क्यों है। सुप्रीम कोर्ट ने पुणे की फैमिली कोर्ट और बॉम्बे हाई कोर्ट के उन आदेशों को बरकरार रखा, जिनमें पति की तलाक की कार्यवाही के दौरान डीएनए टेस्ट कराने का निर्देश दिया गया था।पति का दावा था कि पत्नी पर लगाए गए बेवफाई के आरोपों को साबित करने के लिए बच्चे का डीएनए टेस्ट जरूरी है।पति ने इससे पहले निजी तौर पर हैदराबाद की एक लैब में डीएनए टेस्ट कराया था।

दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर से हटाए सुरक्षा घेरा-बैरिकेड, इस्लामाबाद की इस हरकत के बाद लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एक और अहम कार्रवाई की है। भारतीय अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर लगाए गए बाहरी सुरक्षा घेरे को हटा दिया है। डिप्लोमैटिक परिसर की सुरक्षा के लिए सड़क पर लगाए गए ट्रैफिक बैरिकेड्स और कंक्रीट बोलार्ड्स को भी हटाकर रास्ता खाली कर दिया गया है।

पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि परिसर के चारों ओर बाड़ की तरह बनाया गया बाहरी सुरक्षा घेरा हटा दिया गया है। अधिकारियों ने ट्रैफिक बोलार्ड और बैरिकेड्स भी हटा दिए हैं। पहले सुरक्षा व्यवस्था के तहत इस इलाके में घेरा बनाकर आवागमन को नियंत्रित किया जाता था। भारतीय अधिकारियों ने पाकिस्तानी मिशन के आसपास आवागमन को प्रतिबंधित करने वाली बाहरी सुरक्षा व्यवस्थाओं के कुछ हिस्सों को भी हटा दिया है।

भारत का यह कदम पाकिस्तान की ओर से इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगाए गए सुरक्षा बैरिकेड्स और पार्किंग पोल हटाए जाने के करीब तीन दिन बाद आया है। इसके बाद नई दिल्ली में भी पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर सुरक्षा घेरे को हटाया गया।

भारतीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बनाए गए कुछ ढांचे और लाइन-मैनेजमेंट के लिए लगाए गए बैरियर हटा दिए गए हैं। ये बैरियर पाकिस्तानी मिशन के वीजा सेक्शन के पास लगाए गए थे।

ब्रिक्स देशों के संचार मंत्रियों की 12वीं बैठक 21 अगस्त को, ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 21 अगस्त 2026 को ब्रिक्स देशों के संचार मंत्रियों की 12वीं बैठक की मेजबानी करेगा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के संचार मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, डिजिटल परिवर्तन, नवाचार तथा मजबूत डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श करेंगे।

यह बैठक भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के मुख्य विषय सुदृढ़ता, नवाचार, सहयोग और निरंतरता के लिए निर्माण तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विषय सुदृढ़ भविष्य के लिए नवाचार, सहयोग और परिवर्तन के तहत आयोजित की जा रही है। इन प्राथमिकताओं के माध्यम से भारत ने समावेशी, सुरक्षित और टिकाऊ डिजिटल विकास को बढ़ावा देने तथा ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है।

उभरती प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा पर होगा जोर

ब्रिक्स संचार मंत्रियों की बैठक में उभरती प्रौद्योगिकियों, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, भविष्य के दूरसंचार नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, क्षमता निर्माण और समावेशी डिजिटल संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। बैठक में ब्रिक्स देशों के साथ-साथ व्यापक विकासशील और अल्पविकसित देशों यानी वैश्विक दक्षिण में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक सहयोग और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने पर भी चर्चा होगी।

सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों के लिए 31 अगस्त तक आवेदन, 51 केंद्रों को मिल चुकी है मान्यता

सत्यापन का दायरा 23 श्रेणियों तक बढ़ा; बेहतर सुविधा, त्वरित अनुपालन और उपभोक्ता संरक्षण पर जोर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले विभाग ने विधिक मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) नियम, 2013 के तहत सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) के रूप में मान्यता के लिए पात्र संगठनों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र उद्योग, प्रयोगशालाएं, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और अन्य परीक्षण सुविधाएं 31 अगस्त 2026 को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकती हैं।आवेदन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किए जा सकते हैं। पूरी प्रक्रिया डिजिटल है, जिसमें आवेदन जमा करने, शुल्क भुगतान, आवेदन की स्थिति देखने और विभाग के साथ संवाद की सुविधा उपलब्ध है। इससे आवेदन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और कारोबार के अनुकूल बनाने का प्रयास किया गया है।

51 जीएटीसी को मिल चुकी है मान्यता

सरकार के अनुसार अब तक 51 सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों को मान्यता दी जा चुकी है। विभाग का लक्ष्य जीएटीसी के नेटवर्क को और विस्तारित करना है, ताकि उद्योगों और कारोबारियों को उनके स्थान के नजदीक वजन एवं माप के सत्यापन की सुविधा मिल सके। इससे सत्यापन में लगने वाला समय कम होगा और नियामकीय अनुपालन में तेजी आएगी।

जीएटीसी व्यवस्था का उद्देश्य व्यापार और वाणिज्य में इस्तेमाल होने वाले निर्धारित वजन और माप के सत्यापन तथा पुन: सत्यापन में तकनीकी रूप से सक्षम निजी क्षेत्र के संस्थानों की भागीदारी बढ़ाना है।

राज्य विधिक मापन विभागों को भी मिलेगी मदद

अधिक संख्या में अनुमोदित परीक्षण केंद्र उपलब्ध होने से राज्य के विधिक मापन विभागों पर सत्यापन सेवाओं का दबाव कम होगा। इससे विधिक मापन अधिकारी बाजार निगरानी, नियमों के प्रवर्तन और उपभोक्ता शिकायतों के निवारण पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।जीएटीसी नियमों में हाल के संशोधनों के बाद मान्यता प्राप्त केंद्र अब 23 श्रेणियों के वजन और माप उपकरणों का सत्यापन और पुन: सत्यापन कर सकते हैं। इनमें स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, परिवहन, खुदरा, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले उपकरण शामिल हैं।

इन 23 श्रेणियों में जल मीटर, रक्तचाप मापने के यंत्र, नैदानिक थर्मामीटर, स्वचालित रेल तौल पुल, टेप माप, विभिन्न प्रकार के गैर-स्वचालित वजन यंत्र, लोड सेल, बीम स्केल, काउंटर मशीन, भार, गैस मीटर, ऊर्जा मीटर, नमी मीटर, वाहन गतिमापी, श्वास विश्लेषक, बहुआयामी मापन उपकरण और प्रवाह मीटर शामिल हैं।

इसके अलावा पेट्रोल एवं डीजल वितरण यंत्र, संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) वितरण यंत्र, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) वितरण यंत्र, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वितरण यंत्र तथा हाइड्रोजन वितरण यंत्र भी इसके दायरे में शामिल किए गए हैं।

ईंधन वितरण में माप की सटीकता पर जोर

पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन वितरण यंत्रों को जीएटीसी के दायरे में शामिल करना हालिया विस्तार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे ईंधन वितरण प्रणालियों के सत्यापन की क्षमता मजबूत होने के साथ ईंधन लेन-देन में सटीक माप और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

डिजिटल व्यवस्था से आवेदन प्रक्रिया आसान

जीएटीसी व्यवस्था को कारोबार सुगमता की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है। निर्माता, व्यापारी और उपयोगकर्ता अब सीमित सरकारी सुविधाओं पर निर्भर रहने के बजाय विस्तारित जीएटीसी नेटवर्क के माध्यम से अनुमोदित तकनीकी सुविधाओं तक पहुंच बना सकेंगे।

डांट से नाराज 10वीं के 2 छात्रों ने प्रिंसिपल को 27 बार घोंपा चाकू, मरने से पहले किसे कहा 'बाबू'? सुलझी कत्ल की गुत्थी

अगरतला, (आरएनएस)। तेलंगाना के नालगोंडा जिले के कोंडामल्लेपल्ली में स्कूल प्रिंसिपल कल्लू रूपा रेड्डी की सनसनीखेज हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस के मुताबिक, 10वीं कक्षा के दो नाबालिग छात्रों ने लूटपाट के इरादे से प्रिंसिपल की हत्या की थी। दोनों छात्र एक ही हॉस्टल में रहते थे और कथित तौर पर महंगे फोन, बाइक और मौज-मस्ती के शौकीन थे। प्रिंसिपल ने उन्हें पैसे खर्च करने को लेकर फटकार लगाई थी और परिजनों को इसकी जानकारी देने की चेतावनी दी थी, जिसके बाद दोनों उनसे नाराज थे।

पुलिस के अनुसार, 11 अगस्त को रूपा रेड्डी की उनके घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने उन पर चाकू से करीब 27 वार किए और फिर घर से नकदी और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। हत्या से कुछ समय पहले रूपा रेड्डी ने अपनी मौसी से फोन पर बात की थी। फोन कटने से पहले उन्होंने आखिरी शब्द 'बाबू' कहा था। यह शब्द पुलिस जांच में अहम सुराग बन गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि स्कूल में छात्रों को आमतौर पर 'बाबू' कहकर संबोधित किया जाता था। इसके बाद पुलिस ने जांच का रुख स्कूल के छात्रों की ओर किया। करीब 13 छात्रों को चिन्हित किया गया और उनमें से 5 से पूछताछ की गई। इसी दौरान 10वीं कक्षा के दो छात्रों पर शक गहराया, क्योंकि वे अचानक काफी पैसे खर्च कर रहे थे और मौज-मस्ती कर रहे थे।

पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। डोनियाला एक्स रोड पर बाइक से जा रहे दोनों छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, उनके पास से 1.54 लाख रुपये नकद मिले। इनमें 500 रुपये के तीन नोटों पर कथित तौर पर खून के धब्बे मिले।

पूछताछ के दौरान दोनों छात्रों ने कथित तौर पर प्रिंसिपल की हत्या और नकदी चोरी करने की बात स्वीकार की।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों छात्रों ने हत्या से करीब एक सप्ताह पहले प्रिंसिपल के घर की रेकी की थी। वारदात वाले दिन उन्होंने कोंडामल्लेपल्ली में कपड़े बदले, चाकू और दस्ताने खरीदे और घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे से बचने के लिए पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए।

पुलिस के मुताबिक, प्रिंसिपल ने दोनों छात्रों को पहचान लिया था। इसके बाद दोनों ने उन पर चाकू से कई वार किए। हत्या के बाद वे नकदी और मोबाइल फोन लेकर पीछे के रास्ते से फरार हो गए।

जांच में पता चला कि दोनों आरोपी छात्र एक ही हॉस्टल के कमरे में रहते थे। उन्हें महंगे मोबाइल, बाइक और मौज-मस्ती का शौक था। पुलिस के अनुसार, दोनों सोशल मीडिया के जरिए जल्दी पैसा कमाने के तरीके तलाश रहे थे।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला, 9,450 करोड़ रुपए की 4 रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को देश में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 13,041 करोड़ रुपए की लागत वाली पांच महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी में चार मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाएं और बिहार में एक चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शामिल है। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से परिवहन क्षमता बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और विभिन्न राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय रेलवे की क्षमता बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत करीब 9,450 करोड़ रुपए है और इन्हें 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 410 किलोमीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी, जिससे व्यस्त रेल मार्गों पर ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम होगी और माल परिवहन में भी तेजी आएगी।सबसे बड़ी रेल परियोजना खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन की 173 किलोमीटर लंबी परियोजना है, जिस पर लगभग 3,352 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन परियोजना के लिए 1,583 करोड़ रुपए, गुम्मिडीपुंडी-गुडूर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,229 करोड़ रुपए और कटक-पारादीप तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,286 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ यात्री और मालगाड़ियां अधिक दक्षता से संचालित की जा सकेंगी। सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल परिवहन सुविधाओं का विस्तार करना नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती यात्री और माल ढुलाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए क्षमता निर्माण करना भी है।

ईरान पर ट्रंप का सबसे बड़ा आर्थिक वार, मदद करने वाले देशों को भी दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

वॉशिंगटन (ए.) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त आर्थिक कार्रवाई की घोषणा करने का दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान को अमेरिका के साथ समझौता करने का सबसे बड़ा मौका दिया गया था, लेकिन उसने इसे गंवा दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अब ईरान को आर्थिक रूप से घेरने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।ट्रंप ने कहा कि इस्लामी गणराज्य ईरान को समझौते का उनसे बड़ा मौका किसी ने नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है, वायुसेना नष्ट हो गई है और उसकी सैन्य फैक्ट्रियां मलबे में बदल गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मुद्रा बेकार हो चुकी है और देश बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच गया है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ चेतावनी दी कि जो भी देश ईरान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद देगा, उसे भी भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसके दायरे में वित्तीय संस्थान, कारोबारी प्रतिष्ठान, हवाई अड्डे और सरकारी संस्थाएं भी शामिल हो सकती हैं।ट्रंप ने तेल की तस्करी, स्वैप लाइन, नकद लेनदेन, एक्सचेंज हाउस, जहाजों के पंजीकरण और ईरान की मदद करने वाली शेल कंपनियों पर रोक लगाने की बात कही। उन्होंने इसे ईरान के खिलाफ बड़े आर्थिक हमले की शुरुआत बताया।ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी देशों से ईरान को अलग-थलग करने और उसके खतरे को खत्म करने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि इन ऐतिहासिक कदमों से ईरान और दुनियाभर में आतंक फैलाने की उसकी क्षमता बुरी तरह कमजोर होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर कहा कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा।अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी पिछले सप्ताह ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें तेज करने की बात कही थी। इस रणनीति में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी शामिल है।अमेरिकी वित्त मंत्रालय 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' नाम से प्रतिबंध अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य लक्षित कार्रवाई के जरिए ईरान के लिए धन जुटाने के स्रोतों को बंद करना है। ईरान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमलों के साथ हुई। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ईरान को सैन्य उपकरण और ड्रोन से जुड़ी तकनीक उपलब्ध कराई है। वहीं, चीन लगातार ईरान से तेल खरीद रहा है और उसके साथ कारोबारी रिश्ते बनाए हुए है। चीन ने ईरान को कूटनीतिक समर्थन भी दिया है। पाकिस्तान ने भी कूटनीति और बातचीत के जरिए तनाव कम कराने की कोशिश की है, हालांकि उसने ईरान को सैन्य मदद नहीं दी है। ईरान को उसके सहयोगी हथियारबंद समूहों का भी समर्थन हासिल है। इनमें यमन के हूती और इराक में ईरान से जुड़े लड़ाके शामिल हैं।ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर कहा कि फिलहाल यह खुला है और बड़ी संख्या में नावें वहां से गुजर रही हैं। हालांकि, क्षेत्र में तनाव बढ़ने की स्थिति में दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर गंभीर असर पड़ सकता है।ईरान पर अमेरिकी दबाव और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ता तनाव भारत के लिए भी चिंता का विषय है। इसका असर तेल और गैस की कीमतों, नौवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है।इसके अलावा ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध बढ़ने से भारत की चाबहार बंदरगाह से जुड़ी योजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। चाबहार भारत के लिए ईरान के रास्ते अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच का महत्वपूर्ण मार्ग है।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान को कैद में ही रखने के दांव-पेच शुरू किए, नजर उच्चतम न्यायालय पर

इस्लामाबाद, (ए.)। पाकिस्तान सरकार अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान को राजधानी इस्लामाबाद के शिफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल भेजने के उच्चतम न्यायालय के फैसले से बौखला गई है। उसने फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए बुधवार को उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर कर आदेश वापस लेने की मांग की है। इमरान खान अभी रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं। अब देखना यह है कि शीर्ष अदालत का इस याचिका पर क्या रुख होता है।द न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय सरकार के मुख्य आयुक्त की ओर से इस्लामाबाद के एडवोकेट जनरल नवीद हयात मलिक ने दायर सरकार की पुनर्विचार याचिका में अंतरिम आदेश को भेदभावपूर्ण बताया गया है। पुनर्विचार याचिका में संघीय सरकार ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का 18 अगस्त का अंतरिम आदेश उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर था और उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इस याचिका में कहा गया, फ्रऐसा लगता है कि माननीय कोर्ट का ध्यान ऊपर बताए गए कानूनी प्रावधान पर नहीं गया, जिससे एक ऐसी गलती हुई जो रिकॉर्ड पर साफ दिख रही है।

केन्या में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा, 5 अमेरिकी नागरिकों समेत 7 की मौत

केन्या (ए.)। उत्तरी केन्या के एक सुदूर इलाके में सुबह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार 5 अमेरिकी नागरिकों समेत सभी 7 लोगों की मौत हो गई। केन्या नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के मुताबिक, हेलीकॉप्टर सुबह 9 बजकर 13 मिनट पर लोईसाबा संरक्षण क्षेत्र से सांबुरु काउंटी के इवासो नीरो क्षेत्र की ओर उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल 7 लोग सवार थे। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है।सांबुरु के पुलिस कमांडर डेविड नकोरोई ने बुधवार देर रात मीडिया को बताया कि दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि मृतकों में 5 अमेरिकी नागरिक शामिल थे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और मृतकों के परिवारों को राजनयिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्रालय ने पीड़ितों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।मृतकों की आधिकारिक पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी के एक स्थानीय टीवी चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, मृतकों में NBCUniversal के स्वामित्व वाले स्पेनिश भाषा के टीवी नेटवर्क 'टेलीमुंडो' के चैनलों के अध्यक्ष और महाप्रबंधक जोसे सुआरेज (55) भी शामिल थे।स्थानीय मीडिया के अनुसार, हेलीकॉप्टर लोकप्रिय पर्यटन स्थल माउंट ओलोलोकवे की तलहटी में एक दुर्गम इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। स्थानीय कंपनी 'लेडी लोरी हेलीकॉप्टर्स' का हेलीकॉप्टर यात्रा कंपनी 'बियॉन्ड' के मेहमानों को लेकर जा रहा था।

उड्डयन प्राधिकरण ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर यूरोकॉप्टर EC130 By था। स्थानीय सफारी संचालक 'ट्रॉपिक एयर केन्या' ने खोज और बचाव अभियान में मदद के लिए अपने दो हेलीकॉप्टर भेजे। केन्या रेड क्रॉस ने भी बताया कि उसकी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमें विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर अभियान में शामिल हैं। बचाव दल दुर्घटनास्थल तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

केन्या में इस साल फरवरी में भी एक हेलीकॉप्टर हादसा हुआ था। पश्चिमी केन्या के एक पहाड़ी इलाके में हुए उस हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी। मृतकों में एक सांसद भी शामिल था।

सीरिया को लेकर इस्राइल और तुर्किये में ठनी, इस्राइली रक्षा मंत्री ने एर्दोआन को दे दी धमकी

तेल अवीव (ए.) । इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल काट्ज ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन पर सीरिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस्राइल अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी संभावित खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन, तुर्किये को सीरिया में खतरनाक कदमों की ओर धकेल रहे हैं। इस्राइल किसी भी ऐसी ताकत या संगठन को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बनने की अनुमति नहीं देगा। बेहतर होगा कि एर्दोआन तुर्किये की संसद में इस्राइल के खिलाफ बयानबाजी तक ही सीमित रहें और इस्राइल को चुनौती देने की कोशिश न करें।इससे पहले नेतन्याहू ने अपनी लिकुड पार्टी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि इस्राइल, सीरिया में तुर्किये की ऐसी किसी भी सैन्य बढ़ोतरी को बर्दाश्त नहीं करेगा।

विदेशी बैंकों में उच्च पदस्थ नेपाली नागरिकों की वित्तीय जांच के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाने का प्रस्ताव

काठमांडू,(ए.)। नेपाली कांग्रेस के सांसद अर्जुन नरसिंह केसी ने उच्च पदस्थ नेपाली लोगों के विदेशी बैंकों में जमा धन की खोज और जांच के लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने का प्रस्ताव संसद में रखा है। उन्होंने सरकार से विदेशों में मौजूद नेपाली नागरिकों और उच्च पदस्थ लोगों की संपत्ति तथा संभावित अवैध धन की जांच के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया।प्रतिनिधि सभा की गुरूवार को हुई बैठक में उन्होंने उच्च पदस्थ लोगों की दुनियाभर में मौजूद संपत्ति और धन की जांच के लिए गठित विशेष टास्क फोर्स का गठन करने का प्रस्ताव रखा है। सांसद केसी ने बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश ने अपने यहां के सभी उच्च पदस्थ अधिकारियों की विदेशों में रहे संपत्ति की जांच के लिए दुनिया के विभिन्न बैंकों को इस संबंध में पत्र भी भेजे थे।केसी ने कहा कि नेपाल में भी इसी तरह की पहल की जरूरत है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या देश की भ्रष्टाचार जांच आयोग नेपाल राष्ट्र बैंक के साथ विशेष समन्वय करके देश के बाहर होने वाले भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक विशेष आयोग या तंत्र बना सकता है। सांसद केसी ने कहा, ''शायद इसके लिए साहस नहीं जुटेगा, लेकिन मैंने प्रस्ताव जरूर रखा है कि इसकी जांच होनी चाहिए।'

फीचर

अपने बच्चे में छिपी प्रतिभा पहचानना चाहते हैं? इन 5 तरीकों को अपनाएं

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अपनी खासियत को पहचानें और उसे निखारें। बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है, लेकिन सही दिशा-निर्देश और प्रयासों से यह संभव है। इस लेख में हम कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चे की खासियत को पहचान सकते हैं और उसे विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इससे आपका बच्चा आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ा सकेगा।

बच्चों की रुचियों का करें अवलोकन

बच्चों की रुचियों का अवलोकन करना बहुत जरूरी है। उन्हें अलग-अलग गतिविधियों में शामिल करें, जैसे कला, संगीत, खेल या विज्ञान।इससे आपको यह पता चलेगा कि कौन-सी गतिविधि में उनका मन लगता है और वे किस चीज में ज्यादा आनंद लेते हैं। उनके साथ समय बिताकर उनकी पसंदीदा गतिविधियों पर चर्चा करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।इससे आप उनके जुनून को समझ सकेंगे और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन दे सकेंगे।

खेल-कूद में भागीदारी बढ़ाएं

खेल-कूद बच्चों के लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं होता, बल्कि यह उनकी मानसिक और शारीरिक विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। अलग-अलग खेलों में भाग लेकर बच्चे टीमवर्क, अनुशासन और समर्पण जैसी जरूरी बातें सीखते हैं।इसके अलावा खेल-कूद से उनकी शारीरिक फिटनेस भी बनी रहती है। बच्चों को अलग-अलग खेलों का अनुभव कराने से उनकी रुचियां और क्षमताएं खुलकर सामने आती हैं, जिससे आप उनकी प्रतिभा को पहचान सकते हैं।

पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों पर दें ध्यान

पढ़ाई जरूरी है, लेकिन इसके साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना भी अहम है। संगीत, डांस, पेंटिंग या लेखन जैसी गतिविधियां बच्चों की कल्पना शक्ति को बढ़ाती हैं और उनकी सोचने की क्षमता को विकसित करती हैं।इन गतिविधियों से बच्चे अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाते हैं और उनकी आत्मविश्वास भी बढ़ती है। इसके अलावा रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

तकनीकी ज्ञान दें अहमियत

आजकल तकनीकी ज्ञान बहुत जरूरी हो गया है। बच्चों को कंप्यूटर, टैबलेट या मोबाइल फोन का सही उपयोग सिखाना चाहिए।प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग या वीडियो एडिटिंग जैसी तकनीकी गतिविधियां उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। इससे वे नई चीजें सीखते हैं और उनकी समस्या समाधान करने की क्षमता भी बढ़ती है।

तकनीकी ज्ञान से बच्चे न केवल आज की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं, बल्कि भविष्य में भी सफल हो सकते हैं।

सामाजिक गतिविधियों में करें भागीदारी

सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना बच्चों को मिलनसार बनाता है और उनकी बातचीत की क्षमता को सुधारता है। स्कूल, क्लब या समाज सेवा जैसे प्लेटफॉर्म पर जाकर बच्चे नए दोस्त बनाते हैं, अपनी भावनाओं को साझा करते हैं और दूसरों की मदद करना सीखते हैं।

इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाजिक रूप से जागरूक होते हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने बच्चे की छिपी प्रतिभा को पहचान सकते हैं और उसे निखार सकते हैं।

अनुपमा परमेश्वरन का खुलासा- मासिक धर्म पर शर्मिंदा करता था, औरत होने पर आती थी घिन

दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपने 2 साल लंबे जहरीले रिश्ते पर बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके पूर्व प्रेमी ने उन्हें मानसिक रूप से काफी प्रताड़ित किया। अनुपमा के मुताबिक, उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके मासिक धर्म को लेकर अक्सर उन्हें शर्मिंदा करता था। अभिनेत्री ने कहा कि कभी उनका सपना 11 बच्चों की मां बनने का था, लेकिन इस रिश्ते में मिले जख्मों के बाद अब वो कभी मां नहीं बनना चाहतीं।

अनुपमा बोलीं, मैं एक ऐसी स्थिति में थी, जहां मुझे अभिनेत्री होने पर शर्म महसूस कराई जाती थी। मुझे अपने आत्मविश्वासी होने, महिला होने और यहां तक कि अपने मासिक धर्म आने पर भी शर्मिंदा किया जाता था। पीरियड्स का चाहे पहला दिन हो, पांचवां, 10वां, 15वां, 20वां या फिर 25वां दिन... अगर मैं उसकी किसी गलती पर सवाल उठाती तो वो बात टालने के लिए बस यही कहता ओह, तुम्हें पीएमएस हो रहा है, तुम्हारे पीरियड्स आने वाले हैं।

अनुपमा ने आगे कहा, उसके इन तानों की वजह से मुझे खुद पर बहुत शर्म महसूस होने लगी थी। मैं कभी 11 बच्चों की मां बनने का सपना देखती थी, लेकिन अब मैं बच्चे ही नहीं चाहती। मुझे अपने औरत होने और अपनी उपलब्धियों तक से घिन महसूस होने लगी थी।अनुपमा ने इस 2 साल के रिश्ते को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का खौफनाक दौर बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान वो खुद को पूरी तरह खो चुकी थीं।सोशल मीडिया पर अनुपमा के पूर्व प्रेमी की पहचान को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन अभिनेत्री ने सार्वजनिक रूप से उनका नाम नहीं लिया है।कई लोगों से उनका नाम जोड़ा गया, पर अभिनेत्री ने इन दावों की पुष्टि नहीं की है।बता दें कि अनुपमा मुख्य रूप से तेलुगू, मलयालम और तमिल फिल्मों में काम करने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2015 में ब्लॉकबस्टर मलयालम फिल्म प्रेमम से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का दशहरा पर होगा कब्जा, तय हुई रिलीज तारीख

इस साल की शुरुआत में यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का ऐलान हुआ था। 2021 में आई भूत पुलिस के बाद, यह दूसरा मौका होगा जब अभिनेत्री को हॉरर कॉमेडी में देखा जाएगा। फिल्म का निर्माण आनंद एल राय की प्रोडक्शन कंपनी कलर येलो के बैनर तले अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के सहयोग से किया गया है, जो उनका पहला आपसी सहयोग है। निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है, जबकि पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नई नवेली को दशहरा, 2026 पर रिलीज करने की योजना बनाई गई है। यह 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

एमजीएम स्टूडियोज के एसवीओडी ओरिजिनल्स के निदेशक निखिल मधोक ने कहा, जब हमने नई नवेली को बनते देखा, तो तुरंत ही सबको यह एहसास हो गया कि यही दशहरा की सबसे बेहतरीन फिल्म है। कोई और तारीख इसके लिए उपयुक्त नहीं होती। उम्मीद है कि फिल्म त्योहारों के दौरान पारिवारिक दर्शकों की पहली पसंद बनेगी।मधोक ने आगे बताया कि यामी और अन्य सहायक कलाकारों ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है। अभिनेत्री इसमें बिल्कुल अलग तरह का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगी। बता दें, नई नवेली भारतीय लोककथाओं और पौराणिक कथाओं पर आधारित एक हॉरर कॉमेडी है, जिसकी शूटिंग इसी साल फरवरी से शुरू हुई थी। फिल्म में यामी से पहले कृति सैनन को लिया जाना था, लेकिन कुछ कारणों से बात नहीं बन सकी थी।

सर्दी-जुखाम होने पर नहीं आता किसी चीज का स्वाद? आजमाएं ये 5 असरदार सुझाव

सर्दी-जुखाम एक वायरस से होने वाली बीमारी है, जो नाक, गले और फेफड़ों को प्रभावित करती है। यह आपको बहुत कमजोर महसूस कराती है। इसके चलते आपको खाना खाने का मन नहीं करता और अगर आप कुछ खाते भी हैं तो उसका स्वाद भी ठीक से महसूस नहीं होता। आइए जानते हैं कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे, जिन्हें आजमाकर सर्दी-जुखाम के दौरान बिना स्वाद के भी खाना खाने का मन बना सकते हैं।

अदरक का करें सेवन

अदरक में ऐसे गुण होते हैं, जो गले और नाक की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही अदरक ताजगी का एहसास दिला सकती है।लाभ के लिए अदरक की चाय बनाकर पिएं या फिर अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े पर शहद डालकर खाएं। अदरक के सेवन से अन्य लाभ भी मिल सकते हैं।इसके सेवन से गले का दर्द ठीक हो सकता है, खराश दूर हो सकती है और राहत मिल सकती है।

पिएं नींबू पानी

नींबू में विटामिन-सी होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर सर्दी-जुखाम के लक्षणों से राहत दिला सकता है। इसके अलावा नींबू पानी पीने से गले की खराश और नाक के बंद होने की समस्या भी दूर हो सकती है।लाभ के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा

नींबू निचोड़कर उसका सेवन करें। यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। आप इसकी चाय बनाकर भी पी सकते हैं।

लहसुन को डाइट में करें शामिल

लहसुन में ऐसे तत्व होते हैं, जो सर्दी-जुखाम के कारण शरीर में हुई सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा लहसुन का सेवन शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाकर सर्दी-जुखाम के कारण होने वाली समस्याओं से राहत दिला सकता है।

लाभ के लिए लहसुन की कली को बारीक काटकर एक गिलास पानी में मिलाएं और उसका सेवन करें। इसे व्यंजनों में शामिल करना भी एक अच्छा तरीका है।

शहद और दालचीनी का मिश्रण बनाकर खाएं

दालचीनी में ऐसे गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा दालचीनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाकर सर्दी-जुखाम के कारण होने वाली समस्याओं से राहत दिला सकती है।

लाभ के लिए एक चम्मच शहद में थोड़ी दालचीनी पाउडर मिलाकर खाएं। दालचीनी के अन्य फायदे भी हो सकते हैं। आप चाहें तो इसकी गर्मा-गर्म चाय बनाकर भी पी सकते हैं या इसे खाने में मिला सकते हैं।

पुदीने की चाय बनाकर पिएं

पुदीने में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ नाक बंद होने की समस्या को भी दूर कर सकते हैं। इसके अलावा पुदीने की चाय पीने से मुंह का स्वाद भी बदल सकता है।

लाभ के लिए पुदीने की चाय बनाकर पीएं। इसके लिए पानी में पुदीने की पत्तियां डालकर उबालें, फिर इस मिश्रण में स्वादानुसार शहद मिलाकर इसका सेवन करें। पुदीने के अन्य फायदे भी हो सकते हैं।

कोरबा में यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी पर सांसद ज्योत्सना महंत ने जताई चिंता, जीएम और डीआरएम को लिखा पत्र

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने कोरबा-रायपुर एवं रायपुर-कोरबा के बीच संचालित यात्री ट्रेनों में लगातार हो रही लेटलतीफी को गंभीरता से लेते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर को पत्र लिखकर समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की है। सांसद ने अपने पत्र में विशेष रूप से चांपा-बिलासपुर रेलखंड के बीच ट्रेनों के अनावश्यक विलंब का उल्लेख करते हुए कहा है कि इससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोरबा से रायपुर और रायपुर से कोरबा के बीच यात्रा करने वाले कर्मचारी, विद्यार्थी, व्यवसायी, मरीज तथा अन्य यात्रियों के लिए समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना बेहद महत्वपूर्ण है। सांसद ने कहा कि कई अवसरों पर ट्रेनें निर्धारित समय के आसपास अपने प्रारंभिक स्टेशन से रवाना होने के बावजूद चांपा और बिलासपुर के बीच अत्यधिक विलंबित

हो जाती हैं। इसके कारण यात्रियों को अपने कार्यालय, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, व्यवसायिक एवं अन्य जरूरी कार्यों में पहुंचने में कठिनाई होती है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से हसदेव एक्सप्रेस, शिवनाथ एक्सप्रेस, कोरबा-रायपुर-रायपुर-कोरबा मेमू सहित अन्य यात्री ट्रेनों के समयपालन की विशेष समीक्षा करने की मांग की है। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने रेलवे अधिकारियों से मांग की है कि- 'चांपा-बिलासपुर रेलखंड में ट्रेनों के विलंब के वास्तविक कारणों की जांच की जाए। यात्री ट्रेनों को अनावश्यक रूप से रोकने पर रोक लगाई जाए।' कोरबा-रायपुर एवं रायपुर-कोरबा ट्रेनों का निर्धारित समयपालन सुनिश्चित किया जाए।' इस रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन की विशेष मॉनिटरिंग की जाए। ट्रेनों की लगातार हो रही देरी का कारणवार विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। निर्माण, रखरखाव अथवा परिचालन संबंधी कार्यों के कारण यदि ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं तो यात्रियों को इसकी पूर्व सूचना दी जाए।सांसद ने कहा कि कोरबा क्षेत्र के लिए रेल सेवा केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि लाखों लोगों की दैनिक जरूरत और जीवनरेखा है। इसलिए यात्री ट्रेनों के समयपालन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने रेलवे प्रशासन से इस पूरे मामले को प्राथमिकता से लेते हुए चांपा-बिलासपुर रेलखंड में हो रही लेटलतीफी की समस्या का स्थायी समाधान करने तथा यात्रियों को राहत प्रदान करने की अपेक्षा की है।

निगम जोन स्वास्थ्य विभाग ने पुराना शराब भट्टी की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर,(आरएनएस)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 स्वास्थ्य विभाग में प्राप्त गन्दगी से सम्बंधित जनशिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेते हुए रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश पर नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी के मार्गनिर्देशन एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर एवं अन्य सम्बंधित जोन स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निगम जोन 4 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्रमांक 45 के अंतर्गत जयस्तम्भ चौक के समीप मल्टी लेवल पार्किंग परिसर के पीछे पुराना शराब भट्टी की स्वच्छता व्यवस्था का जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने औचक निरीक्षण किया. औचक निरीक्षण के दौरान पुराना शराब भट्टी में गन्दगी पायी गयी एवं कचरा फैलाया जाना पाया गया. प्राप्त जनशिकायतें सही मिलने पर नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर के निर्देश पर स्थल पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा पुराना शराब भट्टी के सम्बंधित संचालक छोटेलाल निषाद को तत्काल सफाई व्यवस्था सुधारने की कड़ी हिदायत देते हुए भविष्य के लिए नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी देकर तत्काल स्थल पर सम्बंधित पुराना शराब भट्टी संचालक पर 25000 रू का ई जुर्माना करने की कार्रवाई कर प्राप्त जनशिकायतों का जोन के स्तर पर त्वरित निदान जोन 4 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किया गया।

सड़कों पर मवेशियों की मौजूदगी से बढ़े हादसे, कांग्रेस ने गो-व्यवस्था को लेकर उठाए सवाल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में सड़कों पर खुले में घूम रहे मवेशियों और उनसे होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने चिंता जताई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गोठान व्यवस्था बंद होने के बाद पशुओं के प्रबंधन को लेकर कई जगहों पर समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सरकार से सड़कों पर मवेशियों की मौजूदगी रोकने और पशुधन के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

सुशील आनंद शुक्ला के मुताबिक, पिछले तीन दिनों में बिलासपुर, रायपुर और कवर्धा में 27 गायों के सड़क हादसों में मारे जाने की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई इलाकों में आए दिन मवेशियों के सड़क पर आने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। कांग्रेस ने इस स्थिति में पशुओं के साथ-साथ राहगीरों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है।

गोठान व्यवस्था का मुद्दा फिर उठा

कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान पशुधन के संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से गोठान बनाए गए थे। साथ ही गोबर खरीदी जैसी योजनाओं के जरिए पशुपालकों को आय का अतिरिक्त माध्यम उपलब्ध कराने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में गोठान बंद होने के बाद पशुओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर स्पष्टता जरूरी है। कांग्रेस का दावा है कि गो-अभ्यारण्य और गोधाम जैसी व्यवस्थाओं की बात सामने आई थी, लेकिन इनका प्रभावी क्रियान्वयन जमीन पर दिखाई देना चाहिए। सुशील आनंद शुक्ला ने पशुओं के चारे के लिए घोषित राशि को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि प्रति पशुधन प्रतिदिन 10 रुपये चारे के लिए निर्धारित किए गए हैं, तो यह राशि पर्याप्त है या नहीं, इस पर सरकार को व्यावहारिक समीक्षा करनी चाहिए।

कांग्रेस ने मांग की कि सड़कों पर घूम रहे मवेशियों के लिए स्थायी आश्रय, पर्याप्त चारा और नियमित देखरेख की व्यवस्था की जाए, ताकि पशुओं की सुरक्षा के साथ सड़क दुर्घटनाओं पर भी प्रभावी नियंत्रण हो सके।

खेत-खेत होगा डिजिटल सर्वे, धान खरीद में नहीं होगी परेशानी

बलरामपुर,(ए.)। किसानों के खेत और फसल का सही रिकॉर्ड तैयार करने के लिए जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) शुरू हो गया है। आज गुरुवार को प्रशासन ने किसानों से एग्रीस्टैक किसान रजिस्ट्री में पंजीयन कराने और अपने खेत का डिजिटल क्रॉप सर्वे समय पर पूरा कराने की अपील की है। इससे समर्थन मूल्य पर धान बेचने के दौरान किसानों को परेशानी से बचने में मदद मिलेगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत सर्वेक्षक खेत पर जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से फसल की जानकारी दर्ज करेगा। इसमें खेत की वास्तविक स्थिति, फसल का विवरण और जीपीएस लोकेशन दर्ज की जाएगी। इसके बाद जानकारी का डिजिटल सत्यापन कर रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा।

समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए किसानों के खेतों का डिजिटल क्रॉप सर्वे पूरा होना महत्वपूर्ण है। सर्वे के जरिए खेत में लगी फसल और उसके रकबे की वास्तविक जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे धान खरीदी के समय फसल संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

प्रशासन के अनुसार जिन किसानों के खेतों का डीसीएस पूरा नहीं होगा या फसल की जानकारी में गलती होगी, उन्हें धान बेचते समय परेशानी हो सकती है। इसलिए किसानों को समय रहते अपने खेत का सर्वे पूरा कराने की सलाह दी गई है।डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने से किसानों की फसल संबंधी जानकारी पारदर्शी और सटीक तरीके से उपलब्ध रहेगी। इससे कृषि विभाग की योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाने में भी सुविधा होगी।

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने गन्दगी फैलाने, बायो मेडिकल वेस्ट बाहर फेंकने पर 52 दुकानों, होटलों पर किया 54750 रु का ई जुर्माना

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत रेल्वे स्टेशन मार्ग में सूखा एवं गीला कचरा पृथक - पृथक नहीं रखने, गन्दगी फैलाने और मेडिकल वेस्ट बाहर फेंकने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेकर रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता पी. डी. धृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लवनिया की उपस्थिति में नगर निगम जोन 2 क्षेत्र के अंतर्गत बाजार क्षेत्र अंतर्गत रेल्वे स्टेशन मार्ग में सूखा एवं गीला कचरा पृथक - पृथक नहीं रखने, गन्दगी फैलाने और मेडिकल वेस्ट बाहर फेंकने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायतें औचक निरीक्षण में स्थल पर पूरी तरह सही मिलने पर रेल्वे स्टेशन मार्ग क्षेत्र के सम्बंधित 52 दुकानों एवं होटलों के संचालकों पर तत्काल कुल 54750 रूपये का ई जुर्माना सम्बंधितों को भविष्य के लिए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए वसूला गया और सूखा एवं गीला कचरा पृथक - पृथक नहीं रखने, गन्दगी फैलाने, मेडिकल वेस्ट बाहर फेंकने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायतों का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म, फर्जी दस्तावेज से प्रसव और नवजात की बिक्री के मामले में 2 और आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। नाबालिग से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रसव कराने तथा नवजात शिशु की अवैध बिक्री के गंभीर मामले में रायपुर कमिश्नरेट की न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामले में अब तक कुल 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।थाना न्यू राजेन्द्र नगर के अपराध क्रमांक 289/2026 में धारा 64(2)(एफ), 65, 336, 337, 61(2), 351(2), 115(2), 89, 3(5) बीएनएस, धारा 4(2), 5(एन), 6 पॉक्सो एक्ट तथा धारा 81 जे.जे. एक्ट के तहत अपराध दर्ज है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार पूर्व में गिरफ्तार 6 आरोपियों से विस्तृत पूछताछ एवं विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि पीड़िता के नवजात शिशु को पखांजूर, जिला कांकेर निवासी सुब्रत बिश्वास के पास बिक्री किया गया था।

नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास और राहत का मुद्दा उठा, कांग्रेस ने सरकार से मांगा जवाब

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, राहत और लंबित मांगों को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने सरकार से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि नक्सल प्रभावित परिवारों को न्याय, मुआवजा, रोजगार और पुनर्वास जैसी सुविधाएं समय पर मिलनी चाहिए। सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित कई परिवार लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के सामने अपनी बात रखते रहे हैं। उन्होंने झीरम घटना के पीड़ित परिवारों, पूर्व विधायक भीमा मंडावी और शिवदयाल तोमर के परिजनों से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों में भी पीड़ित पक्ष की अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यधारा में लौटने वाले पूर्व नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत रोजगार, आर्थिक सहायता, आवास और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कांग्रेस का आरोप है कि कई पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिलने में देरी हो रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पुनर्वास नीति के तहत पात्र परिवारों और आत्मसमर्पण करने वाले लोगों के मामलों की समीक्षा कर लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण किया जाए। सुरेंद्र वर्मा ने बस्तर पंडुम 2025 के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नक्सल मुक्त होने वाले गांवों के विकास के लिए घोषित सहायता का भी उल्लेख किया। कांग्रेस के अनुसार, प्रत्येक नक्सल मुक्त गांव के लिए विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये की घोषणा की गई थी।

खेल समाचार

इंग्लैंड को गोलरहित ड्रॉ पर रोक भारत महिला हॉकी विश्व कप के दूसरे दौर में

भारतीय रक्षापंक्ति ने दिखाया दम, इंग्लैंड के 11 पेनल्टी कॉर्नर किए नाकाम

एम्सटेलवीन, नीदरलैंड्स, (आरएनएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 0-0 की बराबरी पर रोककर एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। वैगनर स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड के लगातार दबाव का सामना किया और जरूरी ड्रॉ हासिल किया।भारत के लिए इस मुकाबले में हार से बचना ही पर्याप्त था और टीम ने आखिरी सीटी तक अपना संघर्ष जारी रखते हुए लक्ष्य हासिल किया। खासकर दूसरे हाफ में भारतीय रक्षापंक्ति ने इंग्लैंड के पेनल्टी कॉर्नर के दबाव को शानदार तरीके से झेला।इंग्लैंड को मुकाबले में कुल 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह एक को भी गोल में तब्दील नहीं कर सका। भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया और बिचु देवी ने कई महत्वपूर्ण बचाव किए।मुकाबले के अंतिम क्षणों में बिचु देवी का बचाव निर्णायक साबित हुआ।उन्होंने टेसा हॉवर्ड के शॉट को रोककर भारत को गोल खाने से बचाया और टीम के दूसरे दौर में प्रवेश की राह सुनिश्चित की।भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे की अगुआई में खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में जुझारूपन दिखाया। हालांकि पासिंग में सुधार की गुंजाइश नजर आई, लेकिन भारतीय रक्षा ने इंग्लैंड के हर हमले को नाकाम करते हुए मजबूती से मोर्चा संभाले रखा।इंग्लैंड ने मैच के आंकड़ों में भारत पर बढ़त बनाए रखी, लेकिन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाना उसके लिए भारी पड़ा। सविता और बिचु देवी के शानदार प्रदर्शन के आगे इंग्लैंड की आक्रमण पंक्ति बेअसर रही।

सिनसिनाटी ओपन में बड़ा उलटफेर, दुनिया की नंबर एक सबालेंका को सारा बेजलेक ने हराया

सिनसिनाटी, (आरएनएस)। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका बुधवार को सिनसिनाटी मास्टर्स के चौथे दौर में चेक गणराज्य की सारा बेजलेक के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। बेजलेक ने सबालेंका को 7-6 (9-7), 6-4 से हराकर पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की।

सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 35वीं रैंकिंग की बेजलेक ने अपनी बेहतरीन मूवमेंट और लगातार दबाव के दम पर मुकाबले में वापसी की। उन्होंने टाईब्रेक में 9-7 से पहला सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट में बेजलेक ने सबालेंका की सर्विस तीन बार तोड़ी। इसके बाद उन्होंने शानदार अंदाज में मैच खत्म किया। आखिरी गेम में उन्होंने एक भी अंक गंवाए बिना जीत दर्ज की और मैच का अंत ऐस के साथ किया। जीत के बाद बेजलेक ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह अविश्वसनीय महसूस हो रहा है। इस साल अबू धाबी में हार्ड कोर्ट खिताब जीत चुकी बेजलेक अब अगले दौर में अमेरिका की मैडिसन कीज का

सामना करेंगी। वहीं, सबालेंका के लिए अमेरिकी ओपन से पहले यह लगातार दूसरा निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले सप्ताह वह टोरंटो मास्टर्स के चौथे दौर में बाहर हो गई थीं। इससे पहले विंबलडन में भी उन्हें चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में उनका सफर समाप्त हुआ था। अमेरिकी ओपन 30 अगस्त से शुरू होगा।

फीफा महिला विश्व कप 2027 का कार्यक्रम जारी, माराकाना में अभियान शुरू करेगा ब्राजील

नई दिल्ली, (ए.)। फीफा ने गुरुवार को महिला विश्व कप 2027 के मुकाबलों का कार्यक्रम जारी कर दिया। ब्राजील में होने वाले इस टूर्नामेंट के सभी 64 मुकाबले आठ मेजबान शहरों में खेले जाएंगे। कार्यक्रम की घोषणा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख स्थित फीफा मुख्यालय में महिला विश्व कप 2027 प्लेऑफ टूर्नामेंट के प्रारंभिक चरण के लाइव ड्रॉ के दौरान की गई।मेजबान ब्राजील अपने अभियान की शुरुआत 24 जून को रियो डी जेनेरियो के प्रतिष्ठित माराकाना स्टेडियम से करेगा। इसके बाद ब्राजील 29 जून को साओ पाउलो के अरेना इताकेरा में अपना दूसरा ग्रुप मैच खेलेगा, जबकि ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला चार जुलाई को ब्रासीलिया के एस्टाडियो नैशनल में होगा।

अगले 12 महीने बेहद मुश्किल, 2023 वाली सफलता दोहराने का मौका : कैमरन ग्रीन

मैके (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में पहला टेस्ट गंवाने के बाद अपने ऐतिहासिक 2023 कैंपेन से प्रेरणा ले सकती है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट शनिवार से शुरू हो रहा है। बांग्लादेश सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाद वनडे विश्व कप 2027 खेला जाना है। ग्रीन ने गुरुवार को मैके में कहा, ये 12 महीने सच में बहुत मुश्किल होने वाले हैं। हमारे तीन सबसे मुश्किल विदेशी दौरे आने वाले हैं, दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड, साथ ही विश्व कप भी, इसलिए यह इस ग्रुप के लिए थोड़ा मुश्किल है, लेकिन रोमांचक भी है। 2023 में हमारा शेड्यूल काफी मिलता-जुलता था और यह साल वाकई सफल रहा था, इसलिए हम भी यही उम्मीद कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने माना कि लंबे विदेशी दौरे के दौरान निरंतरता बनाए रखना और मुश्किल हो जाता है।उन्होंने कहा, विदेशी दौरे थका देने वाले हो सकते हैं, इसलिए बस एक-एक मैच के हिसाब से आगे बढ़ना है, बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना है और बस इसका आनंद लेना है। ये बहुत लंबे दौरे हो सकते हैं, और उम्मीद है कि आप अपने परिवार को साथ ले जा सकते हैं और बस उस पल का आनंद ले सकते हैं।ग्रीन बैटिंग में ज्यादा सब्र रखने पर भी काम कर रहे हैं। उनका मकसद तेजी से रन बनाने के बजाय लंबी पारी खेलना है।उन्होंने कहा, आप ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते समय सच में अच्छा करना चाहते हैं। कभी-कभी आप उन नतीजों को जबरदस्ती करने की कोशिश करते हैं। बदकिस्मती से, टेस्ट क्रिकेट में आप 10 ओवर के अंदर शतक नहीं बना सकते, आपको वहां पहुंचने के लिए कुछ घंटे बैटिंग करनी पड़ती है। जब आपको लगता है कि आप जबरदस्ती कर रहे हैं, तो आप बहुत तेजी से रन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए उस टेम्पो में आने की कोशिश करें जो काम करता है।

ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश के खिलाफ डॉर्विन टेस्ट में शतक लगाकर उन्होंने फॉर्म में वापसी की है।

कार्तिक त्यागी ने की रिंकू सिंह की तारीफ, कहा- वह दुनिया के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल

लखनऊ, (आरएनएस)। मेरठ मेवरिक्स के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने अपनी टीम के कप्तान रिंकू सिंह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया के शीर्ष पांच फिनिशरों में शामिल बताया है। त्यागी ने कहा कि दबाव की परिस्थितियों में डेथ ओवरों में जिस तरह रिंकू मैच का रुख बदलते हैं, वह उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में खड़ा करता है।त्यागी की यह टिप्पणी यूपी टी20 लीग के चौथे सत्र के आठवें मुकाबले में रिंकू की शानदार मैच जिताऊ पारी के बाद आई है। बुधवार को खेले गए मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स के सामने लखनऊ फाल्कन्स ने 184 रन का लक्ष्य रखा था। बारिश के कारण मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

17वें ओवर में मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पार स्कोर से पीछे थी। ऐसे समय में रिंकू ने नवनीत कुमार के ओवर में पांच गेंदों पर 26 रन ठोककर मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए और मेरठ को 16.5 ओवर में छह विकेट पर 154 रन तक पहुंचाया।

भारी बारिश के कारण खेल रुकने के समय मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न लक्ष्य से पांच रन आगे थी और उसने अप्रत्याशित जीत दर्ज की।

कार्तिक त्यागी ने कहा, जिस नंबर पर वह बल्लेबाजी करने आते हैं और जिस तरह अंत में प्रदर्शन करते हैं, अगर पूरी दुनिया को देखें तो वह इस नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले और इस तरह मैच पर दबदबा बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में लगभग शामिल हैं। जब तक वह क्रीज पर रहते हैं, हमें हमेशा भरोसा रहता है कि हालात चाहे जैसे हों, मैच हमारे पक्ष में किया जा सकता है।उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने जितनी मेहनत की है, यहां शायद ही किसी ने उतनी मेहनत की हो। उसी मेहनत का नतीजा उन्हें मिलता है और हमारी टीम को भी उसका फायदा होता है।

मोंटी देसाई ने छोड़ा कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद

टोरंटो, (आरएनएस)। कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम को अब नए मुख्य कोच की तलाश है। टीम के मुख्य कोच मोंटी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। देसाई मई में दूसरी बार कनाडा की टीम से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में टीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 की दो त्रिकोणीय श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया, जिसमें एक श्रृंखला कनाडा में और दूसरी स्कॉटलैंड में खेली गई।देसाई के जाने के समय कनाडा के विश्व कप लीग-2 अभियान में चार मुकाबले बाकी हैं। टीम शीर्ष चार में जगह बनाने से छह अंक पीछे है और उसके सामने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर प्ले-ऑफ में खेलने का खतरा मंडरा रहा है।

यह पुनः क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के क्वालीफायर के लिए चार स्थान तय करेगी।देसाई का कनाडा के साथ यह दूसरा कार्यकाल था। इससे पहले वह 2019 में नामीबिया में विश्व क्रिकेट लीग-2 अभियान के दौरान टीम के कोच रह चुके हैं। पद छोड़ने के बाद देसाई ने सोशल मीडिया पर कहा, यह छोटा अध्याय था, लेकिन मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। हर माहौल आपको कुछ नया सिखाता है। इस अनुभव ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया कि निरंतर सफलता समय, विश्वास, तैयारी, मजबूत रिश्तों और सामूहिक जिम्मेदारी से बनती है।

उन्होंने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और इस सफर में साथ रहे सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा, मैं बनाए गए रिश्तों, मिली सीख और योगदान देने के अवसर के लिए आभारी हूं। मोंटी देसाई को कोचिंग का 20 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमों के साथ भी काम किया है। नेपाल के साथ उनके कार्यकाल में टीम ने क्रिकेट विश्व कप लीग-2 में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा वह 2024 टी20 विश्व कप में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेलने वाली नेपाल की टीम के साथ भी जुड़े रहे।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्मजयंती पर कलश वंदन एवं समरसता संकल्प अभियान का हुआ शुभारंभ

रविदास जी की जन्मस्थली काशी से आए कलश को रथ के माध्यम से किया गया रवाना

नर्मदापुरम (निप्र)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर गुरुवार को नर्मदापुरम के चक्कर रोड चौराहे स्थित संत श्री रविदास महाराज मंदिर परिसर में जिला स्तरीय कलश वंदन एवं समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संत रविदास जी की जन्मस्थली काशी से प्राप्त पावन कलश का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पावन कलश एवं कलश रथ को जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों एवं ग्राम स्तर तक पहुंचाने के लिए रवाना किया गया। यह कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक जिले के निर्धारित मार्गों पर भ्रमण करेगा।कलश रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज के जीवन दर्शन तथा उनके समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। अभियान के माध्यम से समाज में समरसता, भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को रविंद्र भवन में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान एवं कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ किया था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संत रविदास महाराज जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी जन्मस्थली काशी से आए पावन कलशों का पूजन किया तथा संभागीय प्रतिनिधियों को कलश वितरित किए थे। इसी क्रम में गुरुवार को नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पहुंचे पावन कलश का विधिवत पूजन एवं वंदन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, नगर पालिका नर्मदापुरम अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीति शुक्ला, आचार्य पंडित अविनाश मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अखिलेश खंडेलवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संत रविदास जी के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण के उनके संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

वृद्धजन पार्क के रिडेवलपमेंट एवं सुविधाओं विस्तार के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें सीएमओ : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर ने वृद्धजन पार्क का लिया जायजा, वरिष्ठजनों से संवाद कर प्राप्त किए सुझाव

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरुवार को वृद्धजन पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क में साफ-सफाई, व्यवस्थाओं एवं सौंदर्यीकरण की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को निर्देशित किया कि वृद्धजन पार्क के रीडेवलपमेंट एवं सुधार कार्यों के लिए विस्तृत डीपीआर तैयार की जाए। उन्होंने पार्क में व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए। इस कार्य में पीडब्ल्यूडी एवं खेल विभाग के अधिकारियों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पार्क के पाथवे, विद्युत व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं में सुधारात्मक कार्य किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वृद्धजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पार्क के पाथवे की साफ-सफाई एवं नियमित रखरखाव का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान पार्क में उपस्थित वृद्धजनों से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली।

नपा में हुई जनसुनवाई

नागरिकों की समस्याएं सुन किया समाधान

नर्मदापुरम (निप्र)। आज नगरपालिका कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी वरिष्ठ उपयंत्री मुकेश जैन और उपयंत्री दीक्षा तिवारी द्वारा नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का समाधान किया। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में नपा में जनसुनवाई की जा रही है। श्री सोनी ने बताया कि आज नागरिकों द्वारा अपनी समस्याएं बताई तथा उनका यथा संभव निराकरण किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से समग्र आइडी सुधारवाना राशन कार्ड समर्पण के साथ ही स्वच्छता से संबंधित समस्याएं थीं। जिनका संतुष्टीपूर्ण समाधान किया गया।

द्वितीय जिला न्यायाधीश अभिनव जैन को अधिवक्ता संघ ने दी भावभीनी विदाई

नवागत तृतीय जिला न्यायाधीश वर्षा शर्मा का स्वागत

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम द्वारा स्थानांतरित द्वितीय जिला न्यायाधीश अभिनव जैन को जिला अधिवक्ता संघ के सदस्यों ने विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया। साथ ही नवागत तृतीय जिला न्यायाधीश वर्षा शर्मा के आगमन पर स्वागत किया गया। संघ के सचिव अनुपम दुबे ने बताया कि इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक गुप्ता विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह प्रथम जिला न्यायाधीश दिनेश नोटिया सीजेएम फिरोज अख्तर सहित अन्य न्यायाधीशगण व वरिष्ठ अधिवक्ता एचके यादव बीके चौहान अधिवक्ता संघ अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में अन्य अधिवक्तागण की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी ने न्यायाधीश अभिनव जैन का शाल श्रीफल से सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में मां नर्मदा का छायाचित भेंट किया। इंदौर स्थानांतरण हुए जज अभिनव जैन ने बताया कि नर्मदापुरम में उनका कार्यकाल बहुत ही अच्छा रहाए यहां का वातावरण बहुत ही अच्छा है। प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि न्ययायाधीश के तौर पर अभिनव जैन का कार्यकाल शानदार रहा और भविष्य की जिम्मेदारियों के लिये शुभकामनाएं दीं वर्तमान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राजपूत ने अपने उदबोधन में उम्मीद जताई कि श्री जैन वापस पदोन्नत होकर नर्मदापुरम में पदस्थ हों। इसी प्रकार सभी ने नवागत न्यायाधीश वर्षा शर्मा का भी स्वागत कर उनके पदस्थापना पर हर्ष व्यक्त कर उन्हें शुभकामनायें दीं । संचालन अधिवक्ता विश्वेश्वर तिवारी ने किया।

सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने नर्मदापुरम में शुरू किया कार्यालय

नर्मदापुरम (निप्र)। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह के द्वारा नर्मदापुरम में नर्मदा के पावन तट विवेकानंद घाट के सामने चर्च के पास नवीन कार्यालय की शुरूआत की है। कार्यालय का नाम रखा गया है लोक तीर्थ। इस कार्यालय के शुभारंभ होने पर अनेक लोगों ने उनके कार्यालय में पहुंच कर शुभकामनाएं दी हैं। सोहागपुर विधायक द्वारा बीते तीन पंचवर्षीय कार्याकल में उनकी लाज से ही लोगों की समस्याओं को सुना जाता था। सोहागपुर क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग आते रहे हैं। लेकिन इतने वर्षों बाद नर्मदापुरम में एक अलग ही कार्यालय की शुरूआत की जानकारी लगने पर शहर में विशेष चर्चा का माहौल है। अब इस नए कार्यालय में उनके द्वारा 21 अगस्त को पांच बजे पत्रकार वार्ता का आयोजन किया जा रहा है। हो सकता है कार्यालय के उद्देश्य के बारे में पत्रकारों को अवगत कराएं।

जिला कांग्रेस में भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली

अभा कांग्रेस कमेटी की सचिव मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी उषा नायडू रही मौजूद

नर्मदापुरम। इटारसी (निप्र)। जिला कांग्रस कार्यालय में राष्ट्रगीत वंदे मातरम से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यालय में अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी की सचिव एवं मध्यप्रदेश की सह प्रभारी उषा नायडू एवं जिला काँग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाण्डेय की उपस्थिती में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के छाया चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर जयंती मनाई गई एवं उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। तदोपरांत ग्राम नागपुर कलाँ पाँडरी ग्राम घोंघरी से आए जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष प्रदीप दुबे सरपंच जय नारायण परते काँग्रेस नेता शैलेन्द्र चौरे राजकुमार काकोरिया एवं दीपू काकोरिया के साथ बड़ी संख्या में आए भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की रीति नीति एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे की कार्यशैली से प्रभावित होकर काँग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जिनमे प्रमुख रूप से बिल्लू रावत पंकज साहू अभी उईके बिल्लू मेहरा राजा बाबू अर्जुन काकोरिया अखिलेश पटेल प्रमोद मेहतो रोहित मेहरा सुशील मेहरा जीतू मालवीय कन्हैया लाल इमने बसंत मालवीय कल्लीराम गोरेले नरेंद्र पटेल रवींद्र मोड़घरे गोपाल भैसारे द्वारका वरिवा विरान उईके केलाश उईके छोटेलाल तुमराम सियाराम उईके मोहम्मद दिलवास अंसारी शामिल थे। इसके साथ ही ग्राम मेहरागाँव से आए ग्रामीण काँग्रेस उपाध्यक्ष चंद्रकांत बहारे मण्डल अध्यक्ष प्रह्लाद आठनेरे वरिष्ठ

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाडेय की कार्यशैली से प्रभावित हुए भाजपा कार्यकर्ता

काँग्रेस नेता शिवजी पटेल ग्राम पंचायत समिति अध्यक्ष अशोक चौरे किसान काँग्रेस अध्यक्ष युवराज बड़कुर एवं पार्षद संजय ठाकुर के साथ आए अविनाश पटेल आदित्य पटेल इकबाल खान देव बड़कुर रंजीत चौधरी जितेंद्र वागमारे अजय व्यास राम शंकर बड़कुर देवेन्द्र पटेल नितिन मलैया अशोक रूपेश चौरे रोहित पटेल मोन्टी पटेल शुभम विश्वास लक्की पटेल रोहित कोशल चौधरी आकाश चौरे निशात ठाकुर राजा बड़कुर शुभम चौरे शिवांक सोनू विश्वकर्मा शिबांक पटेल शिव कुमार पटेल आदि साथियों ने काँग्रेस की सदस्यता ग्रहण की ।

प्रभारी ने ली बैठक

उषा नायडू जी ने जिला काँग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला काँग्रेस के 51 सदस्यीय जिला कार्यकारणी की आवश्यक बैठक ली एवं कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी के राजनीति विज्ञान प्रौद्योगिकी दूरसंचार एवं शिक्षा में दिए गए योगदान को याद किया। इस अवसर पर जिला संगठन महासचिव सचिव मधुसूदन यादव एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने भी सभा को संबोधित किया। मधुसूदन यादव ने जिला अध्यक्ष के 1 वर्षीय कार्यकाल का लेखा जोखा पेश किया। संचालन जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने किया। समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया।

शहर के कुछ क्षेत्रों में पेयजल सप्लाई रहेगी बाधित

नपा टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराएगी पेयजल

नर्मदापुरम् (निप्र)। नगर के मीनाक्षी क्षेत्र स्थित पेयजल पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण शहर के कुछ क्षेत्रों में पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में टेंकर के माध्यम से पेयजल सप्लाई की जाएगी। पेयजल पाइप लाइन का सुधार कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। उपयंत्री मुकेश जैन ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देश पर पेयजल सप्लाई दुरुस्त करने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। श्री जैन ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से सप्लाई की जाएगी। जिन नागरिकों के यहां पेयजल की समस्या आती है वे सीधे नगरपालिका कार्यालय में सूचना दें उन्हें निःशुल्क टैंकर उपलब्ध कराया जाएगा।

दादा गुरु के सानिध्य में वृहद संस्कार कांवड़ यात्रा 22 को

बडी संख्या में शामिल होंगे श्रद्धालु

नर्मदापुरम (निप्र)। श्रावण के महिने में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का क्रम जारी है। इसी के साथ कावड यात्रा के आयोजन भी जारी हैं। इसी भक्ति भाव के आयोजन की श्रृंखला में दादा गुरु के सानिध्य में वृहद संस्कार कांवड़ यात्रा का आयोजन 22 अगस्त शनिवार को किया जा रहा है। जिसकी तैयारी की जा रही है। कावड यात्रा की जानकारी एवं आवश्यक विषयों पर चर्चा हेतु पत्रकार वार्ता मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पियूष शर्मा एवं नपाध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव व जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे हंस राय ले पत्रकारों को जानकारी से अवगत से अवगत कराया कि इस मौके पर बड़ी संख्या में पौधे भी वितरित किए जाएंगे। यह कावड़ यात्रा विवेकानंद घाट से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए सेठानी घाट पर समापन होगा। जिसमें दादा गुरू के साथ ही अनेक संत व वरिष्ठ नागरिक जनप्रतिनिधि भी शामिल रहेंगे। इस संबंध में उन्होंने बताया कि पंजीयन पत्र भी भरवाए जा रहे है जिसका रिकार्ड रखा जाएगा।

कांग्रेस ने मनाया सद्भावना दिवस

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गाँधी के जन्मदिवस पर उन्हें किया याद

नर्मदापुरम (निप्र)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गाँधी का जन्मदिवस सद्भावना दिवस के रूप में मनाया इस अवसर पर गिरिजाशंकर शर्मा पूर्व विधायक ने कहा कि राजीव गाँधी ने देश को तकनीक और युवाओं से जोड़ा। उनका विजन आज भी प्रासंगिक हैपूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार ने कहा कि पंचायती राज और 18 साल में वोट का अधिकार देकर राजीव गांधी ने लोकतंत्र को जमीनी ताकत दी। बबलू राठौर ने कहा कि राजीव जी का सपना था हर हाथ को काम और हर युवा को अवसर। हमें उस संकल्प को आगे बढ़ाना है। पूर्व नगर अध्यक्ष अजय सैनी ने कंप्यूटर और संचार क्रांति के जनक राजीव गाँधी हैं। अशोक अहिरवार ने कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए दिए गए उनके बलिदान को देश कभी नहीं भूलेगा पूर्व पार्षद अजय दुबे राजेंद्र दोहरे एवं नर्मदापुरम् प्रभारी प्रदीप दुबे में भी कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया। आभार नेता प्रतिपक्ष अनोखी राजोरिया ने किया इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी फैजान उळ हक दीपक सिसोदिया ज्योति मालवीय हेमंत चौधरी संतोष तोमर लखन रघुवंशी राजकुमार सिंह जमील खान ऋतिक चौहान कुलदीप राठौर खुशबु बुलचंदानी पुष्पलता जायसवाल तुकाराम बलबीर चौहान विक्की आर्य कपिल यादव सलीम खान रामगोपाल मालवीय राजू राजोरिया गुलाम मुस्तफ़ा रिजवान नसीम कुरैशी कांता मेहरा देवीदास चावरिया गोरी शंकर यादव अजय विश्वकर्मा सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

12 सितंबर को आयोजित होगी वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितंबर 2026, शनिवार को वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत तहसील स्तर से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक सम्पूर्ण भारत में आयोजित होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशन एवं सचिव के मार्गदर्शन में जिला नर्मदापुरम सहित तहसील न्यायालय इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर और सिवनीमालवा में भी लोक अदालत लगाई जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशन में गौशालाओं की सघन मॉनिटरिंग, एसडीएम ने किया बांदरखोह गौशाला का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के विशेष निर्देशन में जिले की गौशालाओं को सुदृढ़ करने और निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय ने ग्राम बांदरखोह स्थित आचार्य विद्यासागर गौशाला का औचक निरीक्षण किया।उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री मिश्रा के मार्गदर्शन में एसडीएम श्री राय और समाजसेवी संतोष पारीक के विशेष सहयोग से क्षेत्र के लगभग 2000 निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित रूप से इस गौशाला में पहुंचाया गया था, जिसे गौ-संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान समाजसेवी संतोष पारीक, युवा पत्रकार अक्षत राजपूत एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने गौशाला में निर्माणाधीन नवीन शेडों का जायजा लिया और संचालक को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रबंधन को निर्देशित किया कि पेयजल हौदों की नियमित सफाई की जाए, परिसर से प्रतिदिन गाद हटाई जाए, वृद्ध और युवा गोवंश के लिए पृथक-पृथक शेड की व्यवस्था की जाए तथा दवाओं और फर्स्ट एड किट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने वेटनरी विभाग को भी निर्देश दिए कि सप्ताह में कम से कम 3 दिन अनिवार्य रूप से गौशाला का दौरा कर घायल और बीमार गोवंश का त्वरित उपचार सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियानः सिवनी मालवा में लगा विशेष शिविर, 25 सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का मौके पर निराकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशन में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत बुधवार को सिवनी मालवा तहसील कार्यालय के जनपद सभागृह में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व एसडीएम विजय राय एवं तहसीलदार नितिन झोड़ ने किया। शिविर में सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतें, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित आवेदन और पीएम-किसान एवं सीएम-किसान योजना से संबंधित तकनीकी त्रुटियों वाली शिकायतों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने मौके पर ही समस्याओं को सुनकर 25 शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर उन्हें बंद कराया। शेष लंबित मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

शिकायतों के त्वरित समाधान पर शिकायतकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रशासन का आभार माना और मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की सराहना की। सभी शिकायतकर्ताओं ने स्वेच्छा से अपनी शिकायतें संतुष्टि के साथ बंद करवाईं। शिविर को सफल बनाने में क्षेत्र के सभी हल्का पटवारी, राजस्व निरीक्षक, नायब तहसीलदार, तहसील कार्यालय के कर्मचारी एवं तकनीकी स्टाफ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

सही गुरु सर्वत्र व्यापी ब्रह्म का बोध कराते हैं- डॉ वैभव शर्मा

मासपारायण समिति द्वारा श्रीरामचरितमानस के मासपारायण का पाठ

नर्मदापुरम (निप्र)। मासपारायण समिति के द्वारा सेठानीघाट के नर्मदा सत्संग भवन में विगत दिनों से श्रावण मास पर्यन्त श्रीरामचरितमानस के 30 मासपारायणों में से प्रतिदिन एक मासपारायण का पाठ निरंतर हो रहा है जो कि आगामी श्रावण पूर्णिमा तक चलेगा। इस कार्यक्रम में पं राम परसाई एवं पं सुनील चौरे द्वारा श्रीरामचारतमानस की चौपाइयों एवं दोहों की संगीतमय रूप से प्रस्तुति दी जाती है और सभी श्रद्धालु सामुहिक सम्वेद स्वरों में पाठ करते हैं । इस आयोजन का यह 18 वां वर्ष है । आयोजन में श्रावण शुक्ल सप्तमी को श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई इस अवसर पर डॉ वैभव शर्मा ने वक्तव्य में कहा कि सही गुरु सर्वत्र व्यापी ब्रह्म का बोध कराते हैं। हिंदू धर्म में सर्वाधिक सुलभ और सहज ग्रंथ जो बच्चों को भगवान से जोड़ता है ऐसे हनुमान चालीसा से लेकर गांव गांव गली गली में रामायण पाठ होने वाले श्री रामचरितमानस के रचयिता तुलसीदास जी ने एक बहुत ही कठिन काल में धार्मिक ग्रंथो की रचना कीए जो सहज सरल सुगम हिंदी व अवधी भाषा में थे । उन्होंने जन जन तक श्री राम के चरित्र और जीवन के अनेक सिद्धांत और धर्म के मूल सिद्धांत प्रतिपादित किया। तुलसीदास जी ने श्री रामचरितमानस की रचना चौपाइयां छंद में कर एक सटीक गाने योग्य काव्य लिखा जिसे अनेक रागों में सरलता से भजन मंडलियों और भक्तों द्वारा गया जाता है। इस वजह से श्री रामचरितमानस है कि अलोकिक ग्रंथ है।

तुलसी जयंती कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं भवानीशंकर शर्मा पूर्व विधायक पं गिरिजा शंकर शर्मा अरुण शर्मा योगेश्वर तिवारी एनपी शर्मा एचके यादव अजय सैनी अखिलेश दुबे प्रमोद दुबे संजय राय बल्ला विकास अत्रि सत्यम अदलिया बीव्ही राय गोविंद राय सहित सभी श्रद्धालु उपस्थित थे।

कार्यालय, (प्राचार्य) शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम (म.प्र.)

विज्ञप्ति

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में छात्रावास हेतु मेट्रन (महिला) के 01 पद हेतु अस्थाई व्यवस्था के अन्तर्गत योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी, शर्तें एवं आवेदन पत्र महाविद्यालय की वेबसाइट **https://govthomesciencecollegehbd.com/default.aspx** पर उपलब्ध है।

छात्रावास वार्डन **प्राचार्य**

म.प्र. माध्यम/127676/2026

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com